E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 179 | प्रयागराज, मंगलवार 03 नवंबर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

दावा- नेतन्याहू आइजनकोट के साथ सरकार बनाने को तैयार,अरब पार्टियों ने याशार को समर्थन दिया

चुनाव में किसी दल को बहुमत नहीं मिला

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट के साथ मिलकर सरकार बनाने को तैयार हैं। इजराइली मीडिया आई24 न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने इस गठबंधन की संभावना से इनकार नहीं किया है। वहीं, अरब पार्टियों जॉइंट लिस्ट और राअम ने आइजनकोट की याशार पार्टी को समर्थन देने का फैसला किया है। दरअसल, 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत नहीं मिला। 120 सीटों वाली संसद में सरकार बनाने के लिए 61 सीटें जरूरी हैं। नेतन्याहू की पार्टी लिकुड 27 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। मुख्य विपक्षी पार्टी याशार 21 सीटें जीतकर दूसरे नंबर पर है। लिकुड के गठबंधन की 53 और याशार के गठबंधन की 48 सीटें हैं। अरब पार्टियों को 19 सीटें मिली हैं। अब अगर याशार पार्टी अरब पार्टियों के साथ गठबंधन बनाती है तो उनके पास 67 सीटें हो जाएगी। नेतन्याहू सभी विकल्पों पर विचार कर रहे इजराइली मीडिया i24 न्यूज के मुताबिक, नेतन्याहू की पार्टी लिकुड के करीबी सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वे आइजनकोट के साथ गठबंधन की संभावना को भी खारिज नहीं कर रहे हैं, जबकि सार्वजनिक रूप से वे साझा सरकार बनाने की योजना से इनकार कर चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक, नेतन्याहू को चिंता है कि आइजनकोट अरब पार्टियों और कट्टरपंथी यहूदी धार्मिक दलों के साथ मिलकर वैकल्पिक सरकार बना सकते हैं। इससे उन्हें सत्ता से हटना पड़ सकता है। नेतन्याहू के पास सरकार बनाने के तीन रास्तेः- पहला रास्ताः विपक्षी दलों का समर्थन लेना- नेतन्याहू विपक्षी गठबंधन में शामिल कुछ दलों या सांसदों को अपने साथ लाने की कोशिश कर सकते हैं। विपक्ष के पास कुल 48 सीटें हैं।



अगर इनमें से कुछ दल या सांसद नेतन्याहू का साथ देने को तैयार हो जाते हैं, तो वे बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों का आंकड़ा हासिल कर सकते हैं। चुनौती- विपक्षी नेताओं ने चुनाव में नेतन्याहू को सत्ता से हटाने का वादा किया था। ऐसे में उनके लिए अब नेतन्याहू का समर्थन करना आसान नहीं होगा।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

अमेरिका में प्लेन क्रैश में 9 की मौत,पायलट बोला- तेजी से नीचे गिर रहे, जमीन से टकराने वाले हैं

फ्लोरिडा। अमेरिका के फ्लोरिडा में रविवार को एक बिजनेस जेट क्रैश हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 9 लोगों की मौत हो गई। एएफपी के मुताबिक, विमान टेक्सास से बहामास जा रहा था। हादसे से कुछ देर पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को कहा, 'विमान तेजी से नीचे गिर रहा है, हम जमीन से टकराने वाले हैं। अब वक्त नहीं बचा।' इसके कुछ ही देर बाद विमान सड़क के पास जमीन से टकरा गया। टक्कर होते ही जोरदार धमाका हुआ जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया और आसपास के इलाके में आग फैल गई। हादसे की जगह राष्ट्रपति ट्रम्प के मार-ए-लागो आवास से करीब 14 किलोमीटर दूर है। क्रैश से पहले पायलट ने 'मेडे' कॉल दी थीः-एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और पायलट के बीच बातचीत की रिकॉर्डिंग सामने आई है। इसमें पायलट ने बताया कि मौसम खराब हो रहा है। विमान में बर्फ जम रही है और तेज झटके लग रहे हैं। हालात बिगड़ने पर पायलट ने 2 हजार फीट और ऊंचाई पर जाने की अनुमति मांगी।



इसी दौरान विमान तेजी से नीचे गिरने लगा। स्थिति बिगड़ती देख पायलट ने इमरजेंसी घोषित कर दी। पायलट ने रेडियो पर कहाः- 'हम 8 हजार फीट नीचे जा रहे हैं... मेडे, मेडे... हम 10 हजार फीट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे गिर रहे हैं। हम जमीन से टकराने वाले हैं' 30 हजार फीट/मिनट की रफ्तार से नीचे गिरा विमानः- विमान हादसे से पहले 35 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। नीचे गिरते समय विमान की अधिकतम रफ्तार 30 हजार फीट प्रति मिनट तक पहुंच गई। अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने बताया कि यह हादसा दोपहर 12 बजकर 50 मिनट पर हुआ। उन्होंने इसे बेहद दर्दनाक हादसा बताया।फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन जांच में मदद के लिए अपनी टीम भेज रहा है। यह टीम नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के साथ मिलकर हादसे की जांच करेगी। 600 लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गयाः- हादसा रिहायशी इलाके में हुआ था। फ्लोरिडा के अधिकारियों के मुताबिक, विमान के मलबे और हादसे के असर के कारण करीब 600 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। उनके लिए दो शेल्टर बनाए गए। एविएशन इंडस्ट्री की वेबसाइट एविएशन इंटरनेशनल न्यूज के मुताबिक, हादसे का शिकार विमान साल 2004 में बना था। यानी हादसे के समय यह करीब 22 साल पुराना था।

इस दौरान इलाके में भारी बारिश और गरज-चमक के साथ तूफान भी था। हालांकि, अभी यह साबित नहीं हुआ है कि खराब मौसम ही हादसे की वजह था। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि विमान क्रैश से पहले बिजली की लाइन से टकराया था। अधिकारियों ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है।अमेरिका में प्लेन क्रैश की पिछली घटनाएं- 30 अक्टूबर 2026: हवाई के वाइमिया में 5 लोगों को ले जा रहा एक छोटा विमान खेत में क्रैश हुआ।

यूरोप में इस वर्ष 22 हजार प्रदर्शन हुए,जिनमे फ्रांस की हिंसक प्रदर्शनों में 66फीसदी हिस्सेदारी

ब्रुसेल्स। यूरोप में महंगाई, बेरोजगारी और सरकारी नीतियों के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। इस साल यूरोपीय संघ (ईयू) के 27 देशों में 19 अक्टूबर तक करीब 22 हजार प्रदर्शन दर्ज किए गए। इनमें फ्रांस सबसे आगे रहा। यूरोपीय संघ की कुल आबादी में फ्रांस की हिस्सेदारी 15फीसदी है। यहां हिंसा के साथ हुए प्रदर्शनों की संख्या 950 रही। इस साल फ्रांस का हिंसक प्रदर्शनों में 66फीसदी हिस्सेदारी रही। अक्टूबर में यूरोप के कुल 8 देशों में आंदोलन हुए। इनमें फ्रांस, इटली, जर्मनी, अल्बानिया, स्पेन, ग्रीस, बेल्जियम, सर्बिया शामिल हैं। फ्रांस में लगातार तीसरे हफ्ते प्रदर्शन जारी, 560 गिरफ्तारः- फ्रांस में इस साल करीब 7300 प्रदर्शन हुए। यहां महंगाई और खराब होती शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ लगातार तीसरे हफ्ते प्रदर्शन जारी रहे। छात्र और कर्मचारी सड़कों पर उतर आए। सरकार के मुताबिक, देशभर में करीब 3.2 लाख लोगों ने प्रदर्शन किया। इससे पहले 17 अक्टूबर को 5.5 लाख और 24 अक्टूबर



को 4 लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे थे। इन प्रदर्शनों की शुरुआत स्कूलों की खराब इमारतों, शिक्षकों की कमी और विश्वविद्यालयों की बदहाल व्यवस्था से नाराज छात्रों ने की थी। बाद में मजदूर संगठनों और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से नाराज लोग भी इसमें शामिल हो गए। इस दौरान 560 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। जर्मनी के 34 शहरों में युवा सड़कों पर उतरेः-फ्रांस के बाद जर्मनी में भी विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। 'जेन जी रेजिस्ट' नाम के संगठन के बुलावे पर देश के 34 शहरों में एक लाख से ज्यादा युवा सड़कों पर उतरे। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और पर्यावरण की सुरक्षा से जुड़ी मांगें उठाईं। बर्लिन और फ्रैंकफर्ट समेत कई शहरों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। इस दौरान दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट की घटनाएं भी सामने आईं। पिछले पांच साल के औसत से 7फीसदी कम प्रदर्शनः-वैश्विक संगठन एक्लेड के मुताबिक, यूरोपीय संघ में इस साल प्रदर्शन पिछले पांच साल के औसत से 7फीसदी कम हुए हैं। 2022 में करीब 24 हजार, 2023 में 23 हजार, 2024 में 24 हजार और 2025 में 21 हजार प्रदर्शन हुए थे। हालांकि, पोलैंड में पिछले साल के मुकाबले प्रदर्शन 50फीसदी से ज्यादा और ग्रीस में 25फीसदी बढ़े हैं। वहीं, 2022 के मुकाबले ब्रिटेन में प्रदर्शन करीब 50फीसदी कम हुए हैं। स्पेन में भी इनकी संख्या घटी है।पिछले पांच साल में यूरोपीय संघ में हिंसक प्रदर्शन सामान्य से करीब तीन गुना बढ़े हैं। इनमें ज्यादातर घटनाएं पिछले तीन साल में हुई हैं।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर बांग्लादेश में कपड़ा मजदूरों का प्रदर्शन,प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर फेंके/गाड़ी जलाई

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका समेत तीन इलाकों में रविवार को कपड़ा फैक्ट्रियों के मजदूरों ने वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कई जगह हिंसा भी हुई। ढाका के मीरपुर इलाके में मजदूरों ने सड़कें जाम कर दीं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर ईंट-पत्थर फेंके और एक पुलिस गाड़ी में आग लगा दी। गाजीपुर में मजदूरों ने हाईवे जाम किया और पुलिस चौकी में आग लगा दी। वहीं, अशुलिया में कम से कम 30 फैक्ट्रियां बंद रहीं। मजदूरों की मांग है कि उनका न्यूनतम मासिक वेतन 9,600 रुपए से बढ़ाकर करीब 23 हजार रुपए किया जाए। पुलिस ने लाठीचार्ज की, आंसू गैस का भी इस्तेमाल कियाः-रविवार सुबह ढाका के मीरपुर-10 चौराहे पर मजदूर इकट्ठा हुए। इस दौरान उन्होंने सड़कें जाम कर दी। इसके चलते मजदूरों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। पुलिस के मुताबिक, कुछ मजदूरों ने पुलिसकर्मियों पर हमला किया। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया। भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस का भी इस्तेमाल किया गया। तनाव को



देखते हुए मीरपुर-10 मेट्रो स्टेशन का गेट बंद करना पड़ा। शनिवार को भी मजदूरों ने इसी इलाके में करीब चार घंटे तक सड़कें जाम रखी थीं। गाजीपुर में हाईवे जाम, सुरक्षाकर्मी तैनात करने पड़ेः-ढाका के उत्तर में स्थित गाजीपुर के कालीकैर इलाके में भी रविवार सुबह से प्रदर्शन शुरू हो गया। गाजीपुर के कोनाबाड़ी इलाके में प्रदर्शनकारियों ने एक पुलिस चौकी में आग लगा दी। हालात संभालने के लिए प्रशासन ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के पांच प्लाटून तैनात करने का ऐलान किया। हालात बिगड़े तो फैक्ट्री प्रबंधन ने छुट्टी दे दीः- ढाका के पास अशुलिया के औद्योगिक इलाके में भी शनिवार को मजदूरों ने प्रदर्शन किया। कई फैक्ट्रियों में काम बंद कर दिया गया। कुछ जगहों पर तोड़फोड़ भी हुई। हालात बिगड़ने पर फैक्ट्री प्रबंधन ने छुट्टी घोषित कर दी। अलग-अलग रिपोर्ट के मुताबिक, इलाके में कम से कम 30 फैक्ट्रियां बंद रहीं। वेतन तय करने वाले बोर्ड में मजदूर संगठन के लोग भी शामिलः- प्रदर्शन के बीच बांग्लादेश सरकार ने रविवार को छह सदस्यों वाला वेतन बोर्ड बनाया है। इसका काम कपड़ा फैक्ट्रियों के मजदूरों की नई न्यूनतम सैलरी तय करना है। श्रम मंत्री अरिफुल हक चौधरी ने बताया कि बोर्ड जल्द से जल्द नई सैलरी तय करेगा। इसमें फैक्ट्री मालिकों, मजदूर संगठनों और एक स्वतंत्र प्रतिनिधि को शामिल किया गया है। आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

ईरान ने ब्रिटिश नौसेना-वायुसेना को आतंकी घोषित कर दिया,अमेरिका-इजराइल की मदद का आरोप-3 महीने पहले ब्रिटेन ने IRGC को आतंकी संगठन बताया था

तेल अवीव/तेहरान। ईरान ने ब्रिटेन की नौसेना और वायुसेना को आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। साथ ही उसकी खुफिया एजेंसी एमआई-6 को दुश्मन समूह बताया है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने रविवार को इसकी घोषणा की। ईरान ने आरोप लगाया कि ब्रिटेन ने अमेरिका और इजराइल को उसके खिलाफ जंग में मदद दी थी। इसके लिए सैन्य ठिकाने और दूसरी सुविधाएं भी मुहैया कराई थीं।

इसके पहले ब्रिटेन ने 13 जुलाई को ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) को आतंकी संगठन बताते हुए उस पर सख्त प्रतिबंध लगाए थे।

इसके तहत ब्रिटेन में आईआरजीसी की मदद करने या उसका समर्थन करने पर 14 साल तक की जेल हो सकती है। ईरान ने ब्रिटेन के इसी फैसले के खिलाफ कार्रवाई की है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि ब्रिटेन के खिलाफ ये कदम देश की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। मंत्रालय ने चेतावनी दी कि इस फैसले के बाद जो भी नतीजे होंगे, उनकी जिम्मेदारी ब्रिटेन सरकार की होगी। दरअसल, मार्च 2026 में ब्रिटेन ने अमेरिका को अपने दो सैन्य ठिकानों- आरएएफ फेयरफोर्ड और डिएगो गार्सिया के इस्तेमाल की परमिशन दी थी। इन ठिकानों से अमेरिका ईरान के मिसाइल ठिकानों पर हमले कर सकता था। ब्रिटेन ने इस फैसले को अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा के लिए जरूरी बताया था। वहीं, ईरान ने इसे अमेरिका की सैन्य कार्रवाई में ब्रिटेन का साथ देना माना। ईरानी सेना बोली- अमेरिकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देंगेः- ईरानी सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद अकरमिनिया ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर उसने दोबारा हमला किया तो जंग सिर्फ



पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के किसी भी हमले का तुरंत और पहले से ज्यादा बड़ा जवाब दिया जाएगा। अगली जंग पहले के मुकाबले लंबी भी चल सकती है। दरअसल, कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि अमेरिका 4 नवंबर को ईरान पर फिर हमला कर सकता है।

होर्मुज स्ट्रेट खोलने को लेकर भी बातचीत जारीः- ईरान और अमेरिका के बीच तनाव के बावजूद कतर के जरिए दोनों देशों में बातचीत की कोशिशें जारी हैं।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि अगर अमेरिका उसकी शर्तें मान लेता है, तो ईरान दो दिन के भीतर होर्मुज स्ट्रेट खोलने के प्रस्ताव पर विचार कर सकता है।ईरान की शर्तों में उस पर लगे प्रतिबंध हटाना और पश्चिम एशिया से अमेरिकी सेना की मौजूदगी कम करना शामिल है। हालांकि, ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी मोहसिन रेजाई ने कहा है कि जब तक उसकी सातों मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक कोई बातचीत नहीं होगी। अमेरिका संग बातचीत में ईरान की तीन बड़ी मांगें:- तेल बेचने की छूट बहाल होः ईरान चाहता है कि अमेरिका उसे तेल बेचने की पहले जैसी छूट दे। आर्थिक प्रतिबंध हटेः ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध खत्म किए जाएं, ताकि उसकी अर्थव्यवस्था को राहत मिले। कतर में जमा 6 अरब डॉलर वापस मिलेः ईरान चाहता है कि कतर में रोकी गई उसकी करीब 6 अरब डॉलर की रकम उसे वापस दी जाए।

इजराइल में आइजनकोट ने गठबंधन की 4 शर्तें रखीं-हरेदी समुदाय को भी सैन्य सेवा देनी होगी, बेंजामिन को हटाने के लिए विपक्ष से बातचीत

तेल अवीव। इजराइल में विपक्षी नेता गादी आइजनकोट ने नई सरकार बनाने के लिए 4 शर्तें रखी हैं। इजराइली मीडिया वायनेट के मुताबिक, इनमें हरेदी समुदाय को सैन्य सेवा देना अनिवार्य होगा। इसके अलावा इजराइल को यहूदी और लोकतांत्रिक देश बनाए रखना और गाजा से हमास का शासन खत्म करना शामिल है। आइजनकोट ने कहा कि इन शर्तों को मानने वाले दलों के लिए गठबंधन में शामिल होने का रास्ता खुला है। दरअसल, 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी गठबंधन को बहुमत नहीं मिला। 120 सीटों वाली संसद में सरकार बनाने के लिए 61 सीटें जरूरी हैं। आइजनकोट की पार्टी याशार 21 सीटें जीतकर विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। वे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के लिए अलग-अलग दलों के नेताओं से बातचीत कर रहे हैं। आइजनकोट की 4 शर्तेंः-पहली शर्त- इजराइल यहूदी और लोकतांत्रिक देश बना रहे- आइजनकोट चाहते हैं कि इजराइल की पहचान यहूदी और लोकतांत्रिक देश के रूप में बनी रहे। सरकार सभी नागरिकों को बराबर अधिकार दे और धर्म या समुदाय के आधार पर किसी से भेदभाव न करे। यानी देश में हर नागरिक की आजादी और अधिकारों का सम्मान हो। दूसरी शर्त- सभी नागरिकों के लिए सैन्य सेवा जरूरी होः-इजराइल के हर नागरिक को सेना, राष्ट्रीय या नागरिक सेवा करनी जरूरी हो। यानी देश की सेवा की जिम्मेदारी सभी नागरिकों की हो। फिलहाल इजराइल में यहूदी नागरिकों के लिए सेना में सेवा करना जरूरी है, लेकिन बेहद धार्मिक हरेदी समुदाय को इससे छूट मिलती रही है। इस समुदाय के लोगों का कहना है कि वह धार्मिक पढ़ाई करते हैं इसलिए सेना में भर्ती नहीं हो सकते। आइजनकोट की पार्टी का कहना है कि जब देश सुरक्षा चुनौतियों और युद्ध का सामना कर रहा है, तो सेना में सेवा की जिम्मेदारी किसी एक वर्ग पर नहीं,आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..



रिपोर्ट- अमेरिका 4 नवंबर को हमला कर सकता है

ट्रम्प की नेतन्याहू से फोन पर बात,बाद में बोले- ईरान के 1-2 ठिकाने उड़ाने बाकी

वॉशिंगटन डीसी/तेल अवीव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से शनिवार को फोन पर बातचीत की। यह जानकारी वॉल स्ट्रीट जर्नल ने दी। ट्रम्प ने इसके बाद रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े एक या दो ठिकाने अभी उड़ाना बाकी हैं। वहीं, अमेरिकी न्यूज चैनल एमएस नाउ ने बताया कि वॉशिंगटन ने खाड़ी देशों को ईरान पर नए हमलों के लिए तैयार रहने को कहा है। ये हमले 4 नवंबर से शुरू हो सकते हैं। यह तारीख अमेरिका में मिडटर्म चुनाव के अगले दिन की है। अमेरिका और इजराइल हमले की तैयारी में अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने हाल के हफ्तों में पश्चिम एशिया में हवाई सुरक्षा सिस्टम, गोला-बारूद और सैन्य उपकरणों की तैनाती बढ़ाई है।साथ ही, उसने अपने सैनिकों और सैन्य सामान को उन ठिकानों से दूसरी जगह भेजना शुरू कर दिया है, जहां ईरान हमला कर सकता है। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों का मानना है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड और इजराइल ने हमले की तैयारी कर ली है।



इजराइली न्यूज चैनल कैन के मुताबिक, पिछले हफ्ते अमेरिका के 10 सैन्य मालवाहक विमान इजराइल पहुंचे थे। इनमें हवाई हमलों से बचाव के लिए जरूरी उपकरण होने की बात कही जा रही है। इनका इस्तेमाल क्षेत्र में अमेरिकी और उसके सहयोगी देशों के सैन्य ठिकानों की सुरक्षा के लिए किया जाएगा। दो हफ्ते पहले इजराइल के कई लड़ाकू विमानों ने ईरान की सीमा तक उड़ान भरी थी और फिर लौट आए थे। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, यह सैन्य अभ्यास का हिस्सा था। मिडटर्म चुनाव तक हमला टालाः-आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

जापान तट के पास 6.0 तीव्रता का भूकंप,समुद्र में 352किमी. की गहराई पर केंद्र- सुनामी का अलर्ट नहीं

टोक्यो। जापान के मी प्रांत के तट के पास रविवार सुबह 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक, भूकंप का केंद्र भूकंप का केंद्र मी प्रांत की राजधानी त्सु से करीब 110 किलोमीटर दक्षिण में था। त्सु की आबादी 2.5 लाख से ज्यादा है। भूकंप समुद्र में जमीन से 352 किलोमीटर की गहराई में आया। भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। फिलहाल किसी के घायल होने या जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। यूरोपियन-मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर की वेबसाइट पर लोगों ने बताया कि झटके काफी देर तक महसूस हुए। शुरुआत में हल्के झटके लगे, जो धीरे-धीरे तेज होते गए। जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यह चार बड़े टेक्टोनिक प्लेटों पर बसा है और प्रशांत महासागर



के 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है। हर साल यहां करीब 1500 भूकंप आते हैं, जिनमें से ज्यादातर हल्के होते हैं। जापान के नोटो द्वीप में 2024 में आए भूकंप में करीब 600 लोग मारे गए थे। 2011 में 9.0 तीव्रता के भूकंप और सुनामी ने 18 हजार से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी। जापान सरकार ने अगले 30 साल में यहां 75-82 प्रतिशत तक भूकंप के तीव्र होने की चेतावनी दी है। अगर ऐसा हुआ तो 2.98 लाख लोग मारे जा सकते हैं और 2 ट्रिलियन डॉलर (167 लाख करोड़ रुपए) का नुकसान हो सकता है।

एक बार फिर से बेथनी कॉन्वेंट स्कूल ने मारी बाजी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 'लगन ही सौभाग्य की जननी है।' - बेंजामिन फ्रैंकलिन संगम नगरी प्रयागराज के नैनी स्थित बेथनी कॉन्वेंट स्कूल जोकि अपने हाई स्टैंडर्ड के लिए भी जाना जाता हैं.उसी क्रम में बेथनी कॉन्वेंट स्कूल ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए गौरव बढ़ाया है। दरअसल प्रयागराज के 15 प्रतिष्ठित स्कूलों के बीच आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में बेथनी कॉन्वेंट स्कूल फर्स्ट रनर-अप बन ट्रॉफी अपने नाम की। यह सफलता स्कूल की प्रिंसिपल सिस्टर अनीता मोरस के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों और शिक्षकों के सामूहिक के प्रयास से मिली। इसमें इंचार्ज शिक्षक सर जॉनसन, सर वरुण, सर आनंद, मैम ईशा और मैम पूनम का सहयोग रहा। स्कूल कैबिनेट में एसपीएल शिवांश शेखर, एएसपीएल मानवी अरोड़ा, स्पोर्ट्स कैप्टन हुसैन और कल्चरल हेड सोफिया व अल्बाब सृष्टि की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस उपलब्धि से पूरे स्कूल में खुशी का माहौल है। व पार्टीसिपेट करने वाले विद्यार्थियों को गर्व हैं।



पुलिस लाइन प्रयागराज में यातायात जागरूकता सप्ताह का भव्य शुभारंभ, मंडलायुक्त ने किया उद्घाटन

जिलाधिकारी एवं पुलिस आयुक्त की गरिमामयी उपस्थिति में सड़क सुरक्षा का दिया गया संदेश, यातायात नियमों के पालन की अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 01 नवंबर 2026 को पुलिस लाइन, प्रयागराज में यातायात जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मंडलायुक्त प्रयागराज ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी, प्रयागराज एवं पुलिस आयुक्त, प्रयागराज की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आम नागरिकों, विद्यार्थियों एवं वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य प्रयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करना तथा यातायात संकेतों का सम्मान करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता का संदेश दिया गया।





अधिकारियों ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन, पुलिस एवं आम नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। साथ ही लोगों से स्वयं यातायात नियमों का पालन करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की गई। यातायात जागरूकता सप्ताह के माध्यम से प्रयागराज में सुरक्षित यातायात संस्कृति विकसित करने तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया गया। इसंदेशः सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा। नियमों का पालन करें, जीवन अनमोल है।



अस्थायी आतिशबाजी की दुकानों में शत प्रतिशत सुरक्षा मानकों को कराया जाये सुनिश्चितः जिलाधिकारी

अस्थायी आतिशबाजी की दुकाने लगाने हेतु निर्गत किया जायेगा लाइसेंस,प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थानों में ही लगायी जायेगी अस्थायी आतिशबाजी की दुकाने

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला मजिस्ट्रेट / जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में दीपावली के पर्व पर आतिशबाजी की बिक्री हेतु अस्थायी शेड में दुकाने लगाये जाने हेतु लाइसेंस निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि जिन लोगों को दुकान का लाइसेंस जारी किया जाएगा, उनके द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जायेगा, शहरी क्षेत्र में लाइसेंस जारी करने हेतु सिटी मजिस्ट्रेट व ग्रामीण क्षेत्र में संबंधित उप जिला मजिस्ट्रेट को नामित किया गया। अतिशबाजी की दुकाने निर्धारित स्थान में ही लगायी जायेगी। उन्होंने बताया कि दुकान लगाने में टेन्ट, कनात व कपड़े का प्रयोग नही किया जायेगा, टीन शेड से ही दुकाने लगायी जायेगी। एक दुकान से दुसरी दुकान के बीच में 03 मीटर का गैप रहेगा, अवयस्क बच्चों द्वारा दुकानें संचालित नही की जायेगी। किसी भी अस्थायी दुकान लगाने हेतु विद्युत कनेक्शन नही दिया जायेगा, प्रत्येक दुकान में 200 ली0 पानी का स्टोरेज व अग्निशामक, बालू से भरी बाल्टियां रखना अनिवार्य रहेगा। उन्होंने कहा कि दीपावली पर्व पर अतिशबाजी के सम्बन्ध में सभी सुरक्षात्मक उपाय करते हुए यह सुनिश्चित करा लिया जाये कि पटाखों के विनिर्माण, विक्रय व अतिशबाजी के समय किसी भी प्रकार की दुर्घटना घटित न होने पाये, ताकि किसी भी प्रकार की सम्भावित जन-धन हानि को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि अस्थायी अतिशबाजी दुकान लगाये जाने हेतु शहरी क्षेत्र में चिन्हित स्थल-जी0आई0सी0 द्वितीय मैदान, विद्युत विभाग का मैदान गोरा बाजार, आई0टी0आई0 का खुला मैदान (राजीव गांधी स्टेडियम) एवं गाढ़ी मुतवल्ली मुंशीगंज बाई पास किनारे निर्धारित है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में भी प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थानों पर ही आतिशबाजी की दुकाने लगायी जायेगी। नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार ने बताया कि अस्थायी आतिशबाजी की दुकानों के आवंटन हेतु शस्त्र लिपिक पटल कलेक्ट्रेट से कल दिनाँक 03 नवम्बर 2026 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से अपरान्ह 02.00 बजे तक फार्म का वितरण किया जाएगा, इसके पश्चात अपरान्ह 02.00 बजे से सायं 06.00 बजे तक फार्म जमा किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि निर्धारित दुकानों से अधिक आवेदन होने पर लाटरी के माध्यम से दुकानों का आवंटन किया जाएगा।



यदि आवेदन अधिक प्राप्त होते हैं तो दिनाँक 04 नवम्बर 2026 को अपरान्ह 02.00 बजे से 04.00 बजे तक कलेक्ट्रेट सभागार में दुकान आवंटन हेतु लॉटरी की प्रकिया पूर्ण कराई जाएगी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक पवन गौतम, ज्वॉइंट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल सहित समस्त उपजिला मजिस्ट्रेट, क्षेत्राधिकारी (पुलिस) सहित सम्बन्धित अधिकारी व विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दिव्यांग समागम सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य विपक्ष पर बोला हमला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने दिव्यांगों के सांस्कृतिक कार्यक्रम में शिरकत किया तो वही मीडिया से बात करते हुए विपक्ष पर जमकर निशाना साधा वोट चोरी के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में दिल्ली में हो रही इंडिया गठबंधन की रैली पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली में विपक्ष की रैली फेल और फ्लॉप हो गई है। इसे जनता का कोई समर्थन हासिल नहीं है। उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी दिल्ली के जंतर मंतर पर जादू मंतर कर रहे हैं। वहीं दो पैन कार्ड मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद रामपुर जेल से रिहा हुए आजम खान को ईडी द्वारा तत्काल गिरफ्तार किए जाने पर अखिलेश यादव के आरोपों पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि अगर कोई भ्रष्टाचार और अपराध करेगा तो उसकी जांच होगी। और जांच में अगर दोषी पाया जाएगा तो सजा भी मिलेगी। उन्होंने कहा है कि चाहे वह कोई विपक्ष का नेता हो या फिर मुसलमान हो या फिर क्यों हिंदू ही न हो। ऐसे व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई जरूर की जाएगी। डिप्टी सीएम ने कहा है कि मैं ऐसे लोगों के खिलाफ आगे बढ़कर यह मांग करता हूं कि अगर अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री रहते हुए जौहर यूनिवर्सिटी बनी है। जौहर यूनिवर्सिटी में कुछ वित्तीय अनियमितता जैसी गड़बड़ी हुई है तो तो उसके जितने जिम्मेदार मोहम्मद आजम खान हैं उससे कहीं ज्यादा जिम्मेदार सपा मुखिया अखिलेश यादव हैं। उन्होंने पूरे मामले में जांच का दायरा बढाए जाने की मांग की है। वहीं समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन के राम जन्मभूमि को लेकर दिए गए बयान पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कोई प्रतिक्रिया देने से ही साफ तौर पर इंकार कर दिया है। गौरतलब है कि डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य रविवार को एनसीजेडसीसी में आयोजित दिव्यांग समागम और सांस्कृतिक महोत्सव में शिरकत करने पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने दिव्यांग जनों को संबोधित किया और उन्हें पुरस्कृत भी किया। डिप्टी सीएम ने कहा कि संस्था के लोगों ने कुछ मांगे रखी हैं। उन्होंने आश्वासन दिया है कि जैसे ही उनके पास मांग पत्र आएगा। सभी मांगों को भी पूरा करने की कोशिश करेंगे।



विधायक सलोन द्वारा आयोजित सरस मेले में 32 नवचयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को वितरित किये गये नियुक्ति पत्र

उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला समूह की महिलाओं को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के आवास स्वीकृत प्रमाण पत्र किए वितरित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विधायक सलोन अशोक कुमार व मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता ने आज रिफार्म क्लब लॉन के मैदान में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तत्वाधान में आयोजित 'जनपद स्तरीय तीन दिवसीय सरस मेला-2026' के द्वितीय दिवस पर समूह द्वारा उत्पादित किये जा रहें उत्पादों को उच्च स्तर की मार्केटिंग व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु उत्पादों की खरीदारी कर समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित किया एवं प्रदर्शनी के लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की एवं बच्चों का अन्नप्राशन कराया। आयोजित कार्यक्रम में विधायक द्वारा विधानसभा सलोन क्षेत्र के अन्तर्गत नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। जिसमें विकास खण्ड सलोन 14, डीह 15 एवं छतोह 03 कुल 32 नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला समूह की महिलाओं को प्रमाण पत्र व प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र तथा अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। इस अवसर पर विधायक सलोन ने महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को संबोधित करते हुए उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों, आत्मनिर्भरता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों एवं विभिन्न उत्पादों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने तथा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने हुनर, मेहनत और उद्यमशीलता के माध्यम से नए अवसरों का लाभ उठाएं तथा अपने उत्पादों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। इस अवसर पर मा0 विधायक ने सभी महिला समूहों की सदस्यों एवं जनपदवासियों को दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इससे पूर्व वे0जी0वी0बी0 राही, हरचन्दपुर, पूर्व माध्यमिक विद्यालय रामगंज के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त श्रम रोजगार प्रमोद सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेन्द्र कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेन्द्र कुमार, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी सुधीर गिरी, सहायक अभियंता लघु सिंचाई पंकज राय, कौशल विकास विभाग से डीसी वंदना सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा आमजन उपस्थित रहे।



'मिस्टर यूनिवर्स यूपी' प्रतियोगिता में विभिन्न शहरों के प्रतिभागियों ने दिखाया दमखम, ललितपुर के अब्दुल समद बने विजेता

अमित ने प्रथम उपविजेता और प्रयागराज के कृष आर्य ने द्वितीय उपविजेता का खिताब जीता, काकुल सिंह, साक्षी सिंह और आयुष शुक्ला ने भी किया शानदार प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। शारीरिक सौष्ठव, फिटनेस और व्यक्तित्व प्रदर्शन के क्षेत्र में आयोजित 'मिस्टर यूनिवर्स यूपी' प्रतियोगिता में विभिन्न शहरों से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी शारीरिक क्षमता, फिटनेस, आत्मविश्वास और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के ललितपुर निवासी अब्दुल समद ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं अमित ने प्रथम उपविजेता तथा प्रयागराज के कृष आर्य ने द्वितीय उपविजेता का खिताब हासिल किया। और ललितपुर के मुस्तफा खान ने चौथा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में ललितपुर से आलोक प्रजापति, माही पटेल और समीक्षा सहित विभिन्न शहरों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वहीं प्रयागराज के काकुल सिंह, साक्षी सिंह और आयुष शुक्ला ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के गुना निवासी मॉडल एवं मेकअप आर्टिस्ट तोहीद खान विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। प्रतियोगिता का निर्णायक मंडल अवनी सिंह राजपूत, अंशिका पटेल एवं श्रद्धा श्रीवास्तव ने संभाला। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के शारीरिक सौष्ठव, फिटनेस, व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और मंच पर प्रस्तुति के आधार पर उनका मूल्यांकन किया। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं एवं देखरेख की जिम्मेदारी एवीआई एम्पायर की अंजलि गुप्ता ने संभाली। उनके कुशल प्रबंधन और आयोजन संबंधी देखरेख से प्रतियोगिता के संचालन में महत्वपूर्ण सहयोग मिला। विभिन्न शहरों से आए प्रतिभागियों की सहभागिता ने प्रतियोगिता को विशेष आकर्षण प्रदान किया। सभी प्रतिभागियों ने अपने कठिन परिश्रम, नियमित अभ्यास और अनुशासित जीवनशैली के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।



इस प्रकार के आयोजन युवाओं को फिटनेस, शारीरिक सौष्ठव, व्यक्तित्व विकास और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बेहतर मंच प्रदान करते हैं। प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों, निर्णायकों, अतिथियों एवं आयोजन से जुड़े सहयोगियों की सहभागिता सराहनीय रही।

42वीं वाहिनी पीएसी में पुलिस परिवारजनों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन,मौसम परिवर्तन के दौरान संक्रमणजनित बीमारियों से बचाव एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के दिए गए महत्वपूर्ण सुझाव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी/प्रयागराज। वामा सारथी, सेनानायक श्री देव नारायण यादव की उपस्थिति में वाहिनी पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में वाहिनी सभागार में आयोजित इस शिविर में वाहिनी चिकित्साधिकारी डॉ. ओम प्रकाश ने पुलिस परिवारजनों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। मौसम परिवर्तन को देखते हुए चिकित्साधिकारी ने संक्रमणजनित बीमारियों के सामान्य लक्षण, उनके कारण, बचाव के उपाय तथा स्वास्थ्य के प्रति आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। उन्होंने बदलते मौसम में स्वच्छता बनाए रखने, संतुलित आहार लेने, पर्याप्त पानी पीने तथा किसी भी बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर समय से चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी। इस अवसर पर शिविरपाल श्री अरविंद कुमार सिंह, दलनायक श्री बृजेश कुमार सरोज, सहायक शिविरपाल श्री हरदास सहित वाहिनी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस प्रकार के स्वास्थ्य एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से पुलिस परिवारजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रति जागरूक करने तथा उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है।



प्रयागराज से शिक्षा और कौशल विकास की एक प्रेरणादायक खबर!

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मध्य प्रदेश के अमन कॉन्वेंट हाई स्कूल, बहरी के विद्यार्थियों ने 31 अक्टूबर को नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, नैनी, प्रयागराज का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा की बारीकियों को करीब से जाना। प्रशिक्षण केंद्र के प्रधानाचार्य और प्रशिक्षकों ने बच्चों को विभिन्न तकनीकी ट्रेडों, आधुनिक उपकरणों और मशीनों की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। विद्यार्थियों ने न केवल उपकरणों को देखा, बल्कि उनके उपयोग और व्यावहारिक महत्व को भी समझा। इस अवसर पर विद्यालय के संचालक आदरणीय नवीन सिंह चंदेल, प्रधानाचार्य एवं शिक्षकगण मौजूद रहे। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र का उद्देश्य युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना और रोजगार के बेहतर अवसरों के लिए तैयार करना है।किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक कौशल ही उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है! वीडियो के अंतिम स्क्रीन पर टेक्स्टः- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, कौशल प्रशिक्षण रोजगार, सीखें हुनर, बनें आत्मनिर्भर नैनी, प्रयागराज।



सरदार पटेल की जयंती पर ब्यौहारी कॉलेज में गूंजा राष्ट्रीय एकता का संदेश,विधायक शरद कोल ने विद्यार्थियों को किया प्रेरित, लौह पुरुष के राष्ट्र निर्माण में योगदान को किया याद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म.प्र/ब्यौहारी। ब्यौहारी से लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर शनिवार को पंडित रामकिशोर शुक्ल स्मृति शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय ब्यौहारी में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्यौहारी विधायक शरद जुगलाल कोल उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाए रखने में लौह पुरुष का योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें तथा समाज में आपसी भाईचारे, सद्भाव और एकता की भावना को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभाएं। विधायक ने कहा कि युवा पीढ़ी देश का भविष्य है और विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों का भी बोध होना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. सुनील सिंह, डॉ. आशीष द्विवेदी, डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी एवं पूर्व सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. आर. एस. गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर नगर परिषद ब्यौहारी के अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता उर्फ राजन, सौरभ शुक्ला, गौरव सिंह गोल्डी, मोहसिन खान, पत्रकार विकास शर्मा, सतेंद्र गुप्ता सहित अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने सरदार पटेल के चित्र एवं उनके विचारों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. के. तिवारी ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में राष्ट्रीय एकता दिवस के महत्व को बताते हुए कहा कि भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मोहितलाल वर्मा द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. सोनू सिंह, प्रो. शिवानी सिंह रघुवंशी, डॉ. हरिओम शुक्ला, श्री बंशबहादुर सिंह, श्री बी.पी. सोनी, श्रीमती पार्वती सोनी, डॉ. उपेन्द्र सिंह, डॉ. दुर्गा गुप्ता, श्री विजय बहादुर सिंह, श्री सुधांशु सिंह एवं श्री कन्हैयालाल साहू सहित महाविद्यालय के समस्त स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी ने आयोजन की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संपन्न कराने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।



आईएमएस नोएडा के विद्यार्थियों ने किया माइक्रोसॉफ्ट का शैक्षणिक भ्रमण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आधुनिक तकनीक, डिजिटल नवाचार एवं कॉर्पोरेट कार्यप्रणाली से रूबरू कराने के उद्देश्य से आईएमएस नोएडा के विद्यार्थियों ने माइक्रोसॉफ्ट का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों को वैश्विक तकनीकी क्षेत्र में हो रहे नवीनतम बदलावों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एवं तकनीकी विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हुईं। भ्रमण के दौरान माइक्रोसॉफ्ट के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को कंपनी की कार्यप्रणाली, तकनीकी समाधानों, नवाचार आधारित परियोजनाओं और उद्योग की बदलती आवश्यकताओं के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों के साथ संवाद किया और अपने करियर एवं तकनीकी क्षेत्र से जुड़े सवालों के जवाब प्राप्त किए। आईएमएस नोएडा की डीन मैनेजमेंट एवं सीआरसी डॉ. वर्तिका चतुर्वेदी डीन ने बताया कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में विद्यार्थियों के लिए तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ उद्योग की कार्यप्रणाली और व्यावसायिक जरूरतों को समझना भी आवश्यक है। माइक्रोसॉफ्ट जैसे प्रतिष्ठित संस्थान का भ्रमण विद्यार्थियों को तकनीकी नवाचारों, वास्तविक कार्य परिवेश और कॉर्पोरेट संस्कृति को करीब से जानने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि संस्थान का प्रयास है कि विद्यार्थियों को कक्षा में मिलने वाली शिक्षा के साथ ऐसे व्यावहारिक अनुभव भी उपलब्ध कराए जाएं, जो उनके कौशल विकास और भविष्य की व्यावसायिक संभावनाओं को मजबूत बनाए।

आईएमएस नोएडा के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ उद्योग जगत के प्रतिष्ठित संगठनों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक कंपनी का शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक, बदलते व्यावसायिक परिवेश और कॉर्पोरेट कार्यप्रणाली को समझने का अवसर प्रदान करता है। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उनमें नेतृत्व क्षमता, व्यावसायिक दक्षता और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने का दृष्टिकोण विकसित करना है।



1 नवंबर को (मधुबाला फिल्म फेस्टिवल) का आयोजन हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज में पहली बार काफी बड़े स्तर पे 1 नवंबर को (मधुबाला फिल्म फेस्टिवल) का आयोजन हुआ जो कि 3 दिवसीय था। जिसमें आरडीएक्स क्रिएशन टीम के तरफ से उत्तरप्रदेश की चार लोकप्रिय वस्त्र पहन कर अपनी संस्कृति और यहाँ के रहन सहन और परंपरा को दर्शाया गया। जिसमें अवधि, ब्रज, बुंदेली, भोजपुरी कल्चर शामिल रहे। और ऋषभ चौरसिया जी की तरफ से आई हुई आरडीएक्स क्रिएशन टीम और तनवी क्रिएशन टीम ने और इस ग्रुप को कॉर्डिनेट और ट्रेंड किया बरिया वकील जी ने ओर और इसी के साथ बच्चों ने काफी अच्छे से बढ़चढ़ के इस शो में हिस्सा लिया जिसमें- कशिश ,अंशिका सिंह ,पलक, दिव्यांशी निषाद,छवि सिंह, आलिया, शिवानी जयसवाल, जागृति, अंशिका ठाकुर प्रतिभाग किया और इस शो को अपने हुनर और टैलेंट से सजाया ओर शानदार बनाया। इसी के साथ (मधुबाला फिल्म फेस्टिवल) को पहली बार अयोजित किया गया संगम की धरती प्रयागराज में। और इसी के साथ मधुबाला फिल्म फेस्टिवल के टीम ने सभी सहभागियों और आर्टिस्टों की बहुत सराहना की और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।





भगवान श्रीकृष्ण पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों से यादव महासभा में आक्रोश,धीरेंद्र शास्त्री से सार्वजनिक माफी की मांग

अखिल भारतीय यादव महासभा मध्यप्रदेश ने जारी किया चेतावनी पत्र, कहा- सनातन संस्कृति और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मध्यप्रदेश। भगवान श्रीकृष्ण के प्रति कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर अखिल भारतीय यादव महासभा मध्यप्रदेश ने कड़ा विरोध जताया है। महासभा की ओर से 1 नवंबर 2026 को जारी दो पृष्ठों के सार्वजनिक पत्र में धीरेंद्र शास्त्री से भगवान श्रीकृष्ण की मुरली, त्रिभंगी मुद्रा एवं गोवर्धन पर्वत धारण करने की लीला को लेकर की गई कथित टिप्पणियों पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की गई है। महासभा ने अपने पत्र में कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण केवल किसी एक समाज या समुदाय के आराध्य नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के मार्गदर्शक, योगेश्वर, गीता के उपदेशक और सनातन संस्कृति के शाश्वत आधार हैं। उनके दिव्य स्वरूप, लीलाओं और प्रतीकों पर टिप्पणी करते समय शब्दों की मर्यादा एवं धार्मिक संवेदनशीलता का ध्यान रखना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि भगवान श्रीकृष्ण की पावन मुरली की तुलना मछली पकड़ने वाले कांटे से करना, उनकी त्रिभंगी मुद्रा पर व्यंग्य करना तथा गोवर्धन पर्वत धारण करने की लीला को खेल या सामान्य घटना बताकर उपहास का विषय बनाना करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला है। महासभा ने यह भी कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की मुरली केवल एक वाद्य यंत्र नहीं, बल्कि भक्ति, प्रेम और आध्यात्मिकता का प्रतीक है। इसी प्रकार उनकी त्रिभंगी मुद्रा सौंदर्य एवं दिव्यता की अभिव्यक्ति है। उनकी लीलाएं सनातन संस्कृति की अमूल्य आध्यात्मिक धरोहर हैं, जिन्हें उपहास का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए।



सार्वजनिक माफी की रखी मांग- अखिल भारतीय यादव महासभा मध्यप्रदेश ने धीरेंद्र शास्त्री के समक्ष चार प्रमुख अपेक्षाएं रखी हैं। इनमें भगवान श्रीकृष्ण की मुरली, त्रिभंगी मुद्रा एवं गोवर्धन लीला के संबंध में की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए बिना किसी किंतु-परंतु के सार्वजनिक माफी मांगना, भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के बीच किसी प्रकार का भेद नहीं होने की बात स्वीकार करना, भविष्य में धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली भाषा का प्रयोग नहीं करना तथा सनातन संस्कृति के महान प्रतीकों के प्रति पूर्ण सम्मान एवं मर्यादा बनाए रखना शामिल है। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बलवीर सिंह यादव ने पत्र के माध्यम से स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि धीरेंद्र शास्त्री सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते हैं, तो मध्यप्रदेश सहित देशभर में लोकतांत्रिक, शांतिपूर्ण और संगठित तरीके से विरोध किया जाएगा। आस्था के सम्मान को बताया सर्वोपरि:-महासभा ने अपने बयान में कहा कि यह विरोध किसी व्यक्ति विशेष के प्रति व्यक्तिगत द्वेष नहीं है, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण की गरिमा, करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और सामाजिक सम्मान की रक्षा का विषय है। धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर किसी की आस्था का उपहास करने की छूट नहीं दी जा सकती। असहमति का अधिकार सभी को है, लेकिन किसी की धार्मिक भावनाओं का अपमान करने का अधिकार किसी को नहीं है। पत्र के अंत में महासभा ने दोहराया कि भगवान श्रीकृष्ण हमारी आस्था, संस्कृति और जीवन-दर्शन के आधार हैं। उनकी गरिमा एवं सम्मान की रक्षा के लिए संगठन सदैव मुखर रहेगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बछरावां में कन्या जन्मोत्सव का आयोजन,21 नवजात बच्चियों की माताओं को वितरित की गई बेबी किट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बछरावां में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष (उपमंत्री स्तर प्राप्त) अर्पणा यादव की गरिमामयी उपस्थिति में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मा0 उपाध्यक्ष ने केक काटकर कन्या जन्मोत्सव मनाया तथा 21 नवजात बच्चियों की माताओं को बेबी किट वितरित की। कार्यक्रम के दौरान उपाध्यक्ष अर्पणा यादव ने उपस्थित माताओं को कन्या सुमंगला योजना की जानकारी देते हुए योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए जनसेवा केन्द्र पर जाकर आवेदन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महिला कल्याण विभाग एवं शासन द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के हितार्थ संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी ने उपस्थित महिलाओं को निराश्रित महिला पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजनाओं सहित सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही वन स्टॉप सेंटर की कार्यप्रणाली एवं महिलाओं, बच्चों तथा आमजन की सहायता और सुरक्षा के लिए जारी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 181, 112, 1098, 1090, 108 एवं 1076 के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवजात बालिकाओं के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने, बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने तथा महिलाओं एवं बालिकाओं को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें लाभान्वित करना रहा।

इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेंद्र सिंह, बाल विकास परियोजना अधिकारी संजय सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बछरावां की अधीक्षिका डॉ. अर्पिता मिश्रा, जिला मिशन समन्वयक शेफाली सिंह, आशा बहुएं, आलोक सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।



इंटरनेशनल प्रयागराज फिल्म फेस्टिवल में 'चले खेत की ओर' का जलवा, प्रियांशु श्रीवास्तव को बेस्ट चारित्रिक अभिनेता का अवार्ड

(श्वेता श्रीवास्तव को फिल्म विशेष निर्देशन सम्मान, विमलेश पांडे द बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर के लिए हुए नॉमिनेट)

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मधुबाला फिल्म्स के तत्वावधान में 30, 31 अक्टूबर एवं 1 नवंबर को आयोजित इंटरनेशनल प्रयागराज फिल्म फेस्टिवल 2026 में क्षेत्रीय भाषाओं के सिनेमा और लोक संस्कृति को नया मंच मिला। अवधी, भोजपुरी, ब्रज और बुंदेली भाषाओं के पुनर्जागरण तथा इन भाषाओं पर आधारित फिल्मों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस महोत्सव में 12 श्रेणियों में पुरस्कारों की घोषणा की गई। फेस्टिवल में कुल 86 फिल्मों के रजिस्ट्रेशन प्राप्त हुए, जिनमें से 26 फिल्मों को शॉर्टलिस्ट कर निर्णायक मंडल ने अंतिम रूप से 12 श्रेणियों के पुरस्कारों का चयन किया। महोत्सव का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री कथक नृत्यांगना नलिनी एवं कमलिनी जी, भोजपुरी सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता सुशील सिंह, देश के चर्चित लेखक एवं संवाद लेखक श्री संजय मासूम, यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक डॉ. सतपाल गुलाटी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। आयोजन मधुबाला फिल्म्स के अध्यक्ष श्री अमित त्रिपाठी एवं संयोजक श्री आलोक मालवीय के नेतृत्व में संपन्न हुआ। फिल्म फेस्टिवल के निर्देशक श्री राकेश श्रीवास्तव रहे। पुरस्कारों के निर्णायक मंडल में देश के प्रसिद्ध फिल्म समीक्षक एवं पत्रकार श्री दीपक दुआ, मशहूर संगीत निर्देशक एवं शक्तिमान सहित अनेक चर्चित प्रस्तुतियों से जुड़े संगीत निर्देशक श्री राजेश गुप्ता तथा वरिष्ठ दूरदर्शन उद्घोषक, फिल्मकार एवं लेखक श्री वीरेंद्र मिश्रा शामिल रहे। 'चले खेत की ओर' ने बनाई विशेष पहचान:-फेस्टिवल की चर्चित फिल्मों में श्वेता श्रीवास्तव के निर्देशन और कपूर फिल्म एंड प्रोडक्शन के निर्माण में बनी 19 मिनट की शॉर्ट फिल्म 'चले खेत की ओर' ने विशेष स्थान बनाया। ग्रामीण परिवेश, खेती-किसानी और सामाजिक सरोकारों को केंद्र में रखकर बनी इस फिल्म को फेस्टिवल में विशेष निर्देशन सम्मान से नवाजा गया। फिल्म में अपने प्रभावशाली अभिनय के लिए मुख्य अभिनेता प्रियांशु श्रीवास्तव को बेस्ट कैरेक्टर एक्टर अवार्ड प्रदान किया गया। वहीं फिल्म से जुड़े अभिनेता विमलेश पांडे को व्यक्तिगत कैरेक्टर एक्टर सम्मान मिला। फिल्म के लिए प्रियांशु श्रीवास्तव को बेस्ट एंकर अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। फिल्म के माध्यम से अभिनय, निर्देशन और सामाजिक विषयों की प्रभावशाली प्रस्तुति ने दर्शकों एवं निर्णायक मंडल का ध्यान आकर्षित किया। इस प्रकार 'चले खेत की ओर' की टीम ने अभिनय, निर्देशन और मंच संचालन के क्षेत्र में आयोजन के दौरान अपनी उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज कराई। अन्य प्रमुख पुरस्कार विजेता:-फेस्टिवल में बेस्ट डायरेक्शन का पुरस्कार 'बुद्ध के चार धाम' फिल्म के लिए दीपक राय को दिया गया। बेस्ट एक्टर का सम्मान नवनीत श्रीवास्तव तथा बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान अर्चना गुप्ता को मिला। बेस्ट सपोर्टिंग कास्ट का पुरस्कार 'यशोमती मैया के नंदलाल' के लिए प्रकाश मेहता को प्रदान किया गया। बेस्ट माइलस्टोन अचीवमेंट सम्मान सुधा तिवारी को, बेस्ट सॉन्ग रमेश रावत को तथा बेस्ट मेल सिंगर का पुरस्कार उदय चंद परदेसी को मिला। इसी क्रम में बेस्ट फीचर फिल्म के लिए विनय अग्रहरि, बेस्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्म के लिए देवेंद्र शिवाजी जाधव, एआई बेस्ड फिल्म श्रेणी में गरिमा श्रीवास्तव, स्टूडेंट फिल्म श्रेणी में बृजेश कुमार तथा शॉर्ट फिल्म श्रेणी में सुशील सोनू और सलिल सिंह को सम्मानित किया गया। लोक संस्कृति और भारतीय परंपरा की दिखी झलक:-कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर ऋषभ चौरसिया के निर्देशन एवं कोरियोग्राफी में अवधी, भोजपुरी, ब्रज और बुंदेलखंडी परिधानों पर आधारित विशेष फैशन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। परमार्थ आश्रम के माध्यम से डॉ. पुष्पेंद्र कुमार के निर्देशन में मां गंगा की आरती प्रस्तुत की गई। इसके अतिरिक्त भेड़िया एवं कजरी गीतों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन को लोक रंगों से सराबोर कर दिया। पूरी टीम के प्रति जताया आभार:- 'चले खेत की ओर' की टीम की ओर से अभिनेता एवं एंकर प्रियांशु श्रीवास्तव ने इस उपलब्धि पर निर्देशक श्वेता श्रीवास्तव, निर्माता कपूर फिल्म एंड प्रोडक्शन तथा पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से राजीव कपूर, आयुष कपूर, विमलेश पांडे, मुन्ना मासूम, शाहिद, रमाकांत शास्त्री, शुभम, दीपांकर एवं डॉ. प्रियांशु श्रीवास्तव के सहयोग को सराहा। उन्होंने फिल्म की शूटिंग में सहयोग देने वाले लक्ष्य फिजियोथैरेपी सेंटर, डॉ. संतोष गुप्ता के अस्पताल तथा नैनी स्थित आसाराम बापू आश्रम के प्रति भी विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। टीम ने कहा कि यह सम्मान केवल एक फिल्म का नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन, लोक संस्कृति, क्षेत्रीय भाषाओं और सामाजिक सरोकारों को सिनेमा के माध्यम से सामने लाने के सामूहिक प्रयास का सम्मान है।

अवधी, भोजपुरी, ब्रज और बुंदेली सिनेमा के पुनर्जागरण को समर्पित रहा आयोजन

डीएम की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न,सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था के लिए अवैध कट बंद कराने व ब्लैक स्पॉट्स के सुधार के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जनपद में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा आमजन को सुरक्षित एवं सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजमार्गों पर अवैध रूप से बनाए गए कटों को चिन्हित कर तत्काल बंद कराया जाए तथा राष्ट्रीय राजमार्गों पर नियमित एवं प्रभावी पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने तथा सड़क सुरक्षा से संबंधित प्रवर्तन कार्यवाहियों को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि जनपद के प्रमुख चौराहों को यातायात की दृष्टि से सुरक्षित एवं सुगम बनाया जाए। इसके साथ ही जनपद में समस्त श्रेणी के मार्गों / पुलियों पर शीतऋतु में कोहरा / धुंध के दृष्टिगत साइनेज, थर्मोप्लास्टिक, कैट आई, सफेद पट्टियां, रिफ्लेक्टर एवं वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टिव टेप लगाने का कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए। बैठक में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स के सुधार एवं निवारण कार्यों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को ब्लैक स्पॉट्स पर आवश्यक सुरक्षा उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा दुर्घटनाओं की संभावना को न्यूनतम करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटाबेस की समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों द्वारा सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित आंकड़ों को समयबद्ध एवं शुद्ध रूप से अद्यतन किए जाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने गुड समेरिटन योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायलों की तत्काल सहायता करने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित किया जाए तथा आमजन को दुर्घटना पीड़ितों की मदद के लिए जागरूक किया जाए, जिससे गोल्डन ऑवर में घायल व्यक्ति को समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा सके। जिलाधिकारी ने बैठक में गड्ढामुक्त अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्य की भी समीक्षा की, उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत कार्य को शीघ्र पूर्ण कराया जाए, इसके साथ ही गड्ढामुक्त अभियान के अन्तर्गत किए गए कार्यों का सत्यापन भी कराया जाए। बैठक में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग महिपाल सिंह, प्रमोद कुमार सिंह राणा, एआरटीओ प्रवर्तन उमेश चंद कटियार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।



थाना मुड़ीगंज पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार,कब्जे से 05 सीपीयू, 02 कीबोर्ड, 01 मॉनीटर, 01 प्रिंटर बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। थाना मुड़ीगंज पुलिस द्वारा रविवार को मुखबिर की सूचना पर 01 अभियुक्त अमन बंसल उर्फ पोलर पुत्र भोला बंसल निवासी 722 गऊघाट थाना मुड़ीगंज जनपद प्रयागराज को गऊघाट बस्ती थाना क्षेत्र मुड़ीगंज से गिरफ्तार किया गया तथा उसके कब्जे से 05 सीपीयू (01 सुपरकॉम, 01 इंटेक्स,02 कम्पैक एवं 01 इंटेल कम्पनी का), 02 की बोर्ड (01 डेल, 01 एच0पी0 कम्पनी का),01 मॉनीटर एच0पी0 कम्पनी व 01 प्रिंटर इप्शन कम्पनी का बरामद किया गया । गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0स0 88/2026 धारा 305(ए)/317(2) बी0एन0एस0 पंजीकृत किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। उल्लेखनीय है कि आवेदक श्री राजकुमार मैसी पुत्र श्री बलबीर कुमार नि0 711 ईसीसी कैम्पस गऊघाट थाना मुड़ीगंज जनपद प्रयागराज द्वारा पुलिस को सूचना दी गयी कि उक्त अभियुक्त द्वारा अपने कुछ साथियों के साथ ई0सी0सी0 महाविद्यालय में कम्प्यूटर उपकरण तथा कुछ अन्य सामान चोरी कर लिया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- अमन बंसल उर्फ पोलर पुत्र भोला बंसल निवासी 722 गऊघाट थाना मुड़ीगंज जनपद प्रयागराज उम्र करीब 22 वर्ष।

उद्योग बंधु की बैठक में व्यापारियों एवं जनहित से जुड़े तीन प्रमुख मुद्दे उठाए

टोल प्लाजा की कार्यप्रणाली, जल जीवन मिशन की बदहाली और फ्लाईओवर के नीचे से बसों के संचालन पर जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित उद्योग बंधु की बैठक में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने जनपद के व्यापारियों एवं आमजन से जुड़े विभिन्नमहत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए उनके निराकरण के लिए ज्ञापन सौंपा। बैठक में उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों के समक्ष कौशल शर्मा ने सर्वप्रथम वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर संचालित टोल प्लाजा की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए टोल वसूली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, सड़क के नियमित रखरखाव, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत तथा यात्रियों को पेयजल, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने टोल प्लाजा की कार्यप्रणाली एवं राजस्व वसूली से संबंधित बिंदुओं की उच्चस्तरीय जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई किए जाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वाराणसी शक्ति नगर मार्ग पर अनेक स्थानों पर सड़क धसने गहरी रटिंग (सड़क पर पहियों के निशान के रूप में गहरे गड्ढे या लकीरें बनना) पड़ने एवं सर्विस



लेन में गड्ढों की भरमार होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है दो पहिया वाहन चालकों को विशेष रूप से जोखिम उठाना पड़ रहा है। दूसरे महत्वपूर्ण मुद्दे के रूप में उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित 'हर घर नल से जल' योजना की जमीनी हकीकत पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय से सटे बिचपई, बढ़ौली, पुसौली एवं उरमौरा सहित आसपास के गांवों में योजना का अपेक्षित लाभ धरातल पर दिखाई नहीं दे रहा है। अभी तक इन गांव में जलापूर्ति नहीं हो रही है।वहीं कई घरों में अभी तक नल कनेक्शन तक नहीं लगाए गए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से योजना की स्थलीय जांच कराकर प्रत्येक पात्र परिवार तक नियमित एवं शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने की मांग की। तीसरे मुद्दे में उन्होंने फ्लाईओवर के नीचे से मिर्जापुर डिपो की बसों के लगातार संचालन का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि पूर्व में जनहित में इस समस्या को संज्ञान में लाया गया था और प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक निर्देश भी दिए गए थे, इसके बावजूद बसों का संचालन अभी भी फ्लाईओवर के नीचे से किया जा रहा है। इससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ-साथ दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। उन्होंने पूर्व में दिए गए आदेशों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कर बसों का संचालन निर्धारित रोडवेज परिसर से कराए जाने की मांग की। कौशल शर्मा ने कहा कि उद्योग बंधु की बैठक केवलऔपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि इसमें उठाए गए जनहित एवं व्यापारिक समस्याओं का समयबद्ध और प्रभावी समाधान भी सुनिश्चित होना चाहिए। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना और प्रशासनिक निर्देशों का धरातलपरक्रियान्वयन होना ही सुशासन की वास्तविक पहचान है। उन्होंने जिलाधिकारी से सभी प्रकरणों में संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराने का आग्रह किया। बैठक में मुख्य रूप से नागेंद्र मोदनवाल, अमित अग्रवाल, प्रतीक केसरी सहित अन्य संगठनों के लोग भी मौजूद रहे।

तीन सड़कों के लिए 125.25 करोड़ मंजूर,योजना में 46.281 किलोमीटर सड़कों का होगा सुधार

सोनभद्र। औद्योगिक विकास को गति देने और आवागमन की सुविधा बेहतर बनाने के लिए तीन प्रमुख सड़कों का कायाकल्प किया जाएगा। औद्योगिक लॉजिस्टिक योजना के तहत योगी सरकार ने इन सड़कों के सुदृढ़ीकरण और सतह सुधार के लिए 125 करोड़ 25 लाख रुपये का बजट स्वीकृत कर जारी किया है। इससे औद्योगिक इकाइयों तक माल और कच्चे माल की आवाजाही आसान होगी। साथ ही आम लोगों को भी जर्जर सड़कों से राहत मिलने की उम्मीद है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि शासन की ओर से जिले की तीन महत्वपूर्ण सड़कों के सुधार के लिए धनराशि जारी कर दी गई हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से औद्योगिक क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इससे भारी वाहनों के आवागमन में सुविधा मिलने के साथ परिवहन लागत और समय में भी कमी आएगी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत 15.84 किलोमीटर लंबे चोपन-कोटा-कोन-खरौंधी मार्ग के सुदृढ़ीकरण पर 41 करोड़ 56 लाख तीन हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं, 12.150 किलोमीटर लंबे आरएस रोड से कोदरा टोला मार्ग के सुधार के लिए 25 करोड़ 83 लाख 76 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन दोनों मार्गों पर जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। जिले के महत्वपूर्ण वाराणसी-शक्तिनगर स्टेट हाईवे-5ए की भी तस्वीर बदलेगी। इसके 166.130 से 184.417 किलोमीटर के बीच 18.287 किलोमीटर लंबे हिस्से का सुदृढ़ीकरण और सतह सुधार कराया जाएगा। इस कार्य पर 57 करोड़ 85 लाख 10 हजार रुपये खर्च होंगे। औद्योगिक गतिविधियों और भारी वाहनों की आवाजाही के लिहाज से यह मार्ग काफी महत्वपूर्ण है। डीएम ने कहा कि बेहतर सड़कें औद्योगिक विकास की आधारभूत जरूरत हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से उद्योगों, व्यापारिक गतिविधियों और माल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संपर्क भी बेहतर होगा। इसका लाभ स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, उद्यमियों और किसानों को मिलेगा।

शासन का उद्देश्य मजबूत आधारभूत ढांचे के जरिए जिले में औद्योगिक विकास के साथ आमजन की सुविधाओं का विस्तार करना है।

उत्तर प्रदेश ब्याज माफी योजना-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रचार-प्रसार के संबंध में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

जिलाधिकारी ने व्यापारी बंधुओं से योजना का लाभ उठाकर पुराने कर बकायों का निस्तारण कराने की अपील की,सोनभद्र के 6,199 छोटे बकायेदारों सहित हजारों व्यापारियों को पुराने कर बकाये के निस्तारण का अवसर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में माननीय मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण योजना उत्तर प्रदेश ब्याज माफी योजना-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जीएसटी विभाग के अधिकारीगण, व्यापारी बंधु, व्यापार मंडल के पदाधिकारीगण एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित व्यापारी बंधुओं एवं व्यापार मंडल के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा पुराने व्यापार कर, वैट एवं अन्य निर्दिष्ट कर अधिनियमों के अंतर्गत लंबित बकाया धनराशि के निस्तारण तथा व्यापारियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश ब्याज माफी योजना-2026 लागू की गई है। यह योजना संबंधित अधिनियमों के अंतर्गत 31 दिसम्बर, 2025 तक सृजित बकाया मांग पर लागू होगी। उन्होंने व्यापारी बंधुओं से अपील की कि वे इस महत्वपूर्ण योजना का अधिकाधिक लाभ उठाएं तथा निर्धारित समयावधि में अपने पुराने कर बकायों का निस्तारण कराएं। योजना के अंतर्गत मूल बकाया धनराशि पूर्ण रूप से जमा करने पर बकाया ब्याज में मूलधन के आधार पर छूट प्रदान की जाएगी। रु10 लाख तक के मूल बकाये पर 100 प्रतिशत, रु10 लाख से अधिक एवं रु1 करोड़ तक के बकाये पर 90 प्रतिशत, रु1 करोड़ से अधिक एवं रु5 करोड़ तक के



बकाये पर 75 प्रतिशत तथा रु5 करोड़ से अधिक के बकाये पर 50 प्रतिशत ब्याज माफी का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त केवल बकाया धनराशि जमा न करने के कारण आरोपित अर्थदण्ड में 100 प्रतिशत माफी दी जाएगी। अन्य प्रकार के अर्थदण्ड इस योजना के अंतर्गत माफ नहीं होंगे। ऐसे व्यापारी भी योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं, जिन्होंने पूर्व में मूल बकाया धनराशि आंशिक अथवा पूर्ण रूप से जमा कर दी है। न्यायालयों में लंबित प्रकरणों में भी शासनादेश में निर्धारित शर्तों एवं आवश्यक औपचारिकताओं की पूर्ति के अधीन योजना का लाभ प्राप्त किया जा सकता है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, जिससे जनपद के अधिक से अधिक पात्र व्यापारी इस योजना से लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को योजना की पात्रता, बकाया मूलधन एवं ब्याज की गणना, आवेदन प्रक्रिया तथा अन्य आवश्यक औपचारिकताओं के संबंध में समुचित जानकारी एवं सहयोग उपलब्ध कराया जाए।उपायुक्त (प्रशासन), राज्य कर, सोनभद्र द्वारा अवगत कराया गया कि यह योजना शासनादेश जारी होने की तिथि 16 अक्टूबर, 2026 से तीन माह तक प्रभावी रहेगी। योजना का लाभ प्राप्त करने के इच्छुक व्यापारियों को विभागीय पोर्टल http://comtax.up.nic.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन से पूर्व निर्धारित मूल बकाया एवं देय ब्याज की धनराशि जमा कर संबंधित चालान का विवरण पोर्टल पर उपलब्ध कराना होगा। ऑनलाइन आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित अधिकारी द्वारा निर्धारित समयावधि में बकाया धनराशि, ब्याज एवं अर्थदण्ड का सत्यापन किया जाएगा। आवेदन सही पाए जाने पर नियमानुसार बकाया निस्तारण एवं आरसी बेबाकी संबंधी प्रमाण-पत्र जारी किए जाने की व्यवस्था है। व्यापारियों को योजना की पात्रता, बकाया मूलधन एवं ब्याज की गणना, देय धनराशि का सत्यापन, ऑनलाइन आवेदन, चालान अपलोड करने तथा आवेदन संबंधी त्रुटियों के निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। हेल्प डेस्क कार्यदिवसों में प्रातः 10:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक संचालित रहेगी। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के दूरभाष नंबर 05444-297719, 9450587133 एवं 8318230317 पर संपर्क किया जा सकता है। उपायुक्त (प्रशासन), राज्य कर द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद सोनभद्र में रु10 लाख से कम बकाये के कुल 6,199 मामलों में लगभग रु108 करोड़ की बकाया धनराशि, रु10 लाख से रु1 करोड़ के मध्य बकाये के 145 मामलों में लगभग रु30.9 करोड़ तथा रु1 करोड़ से रु5 करोड़ के मध्य बकाये के मामलों में लगभग रु8.95 करोड़ की धनराशि निहित है। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त व्यापारी बंधुओं, व्यापार मंडलों, अधिवक्ताओं एवं कर सलाहकारों से अपील की है कि वे योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें तथा पात्र बकायेदार व्यापारियों को निर्धारित अवधि में इसका लाभ प्राप्त करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि पात्र व्यापारी राज्य कर



योजना का लाभ अधिकाधिक पात्र व्यापारियों तक पहुंचाने तथा आवेदन प्रक्रिया में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए राज्य कर कार्यालय, रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र में व्यापारी हेल्प डेस्क स्थापित की गई हैं। हेल्प डेस्क के माध्यम से कार्यालय, रॉबर्ट्सगंज स्थित व्यापारी हेल्प डेस्क से संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त करें तथा उत्तर प्रदेश ब्याज माफी योजना-2026 का लाभ उठाते हुए अपने पुराने कर बकायों का नियमानुसार निस्तारण कराएं।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
कौशलं बलम्
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है


नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स



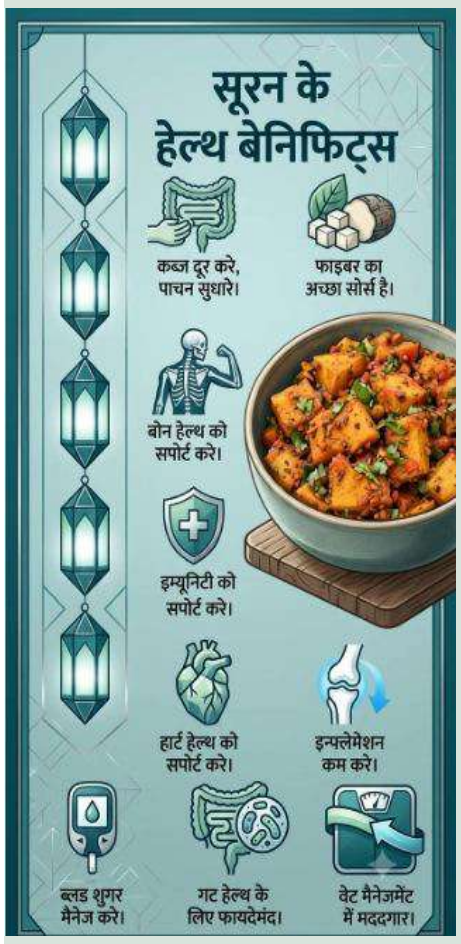
दिवाली पर सूरन खाने की परंपरा,फाइबर से भरपूर, जानें सूरन के 9 हेल्थ बेनिफिट्स-पकाते हुए ये सावधानी बहुत जरूरी

नयी दिल्ली। दिवाली का त्योहार नजदीक है। इस मौके पर घरों में कई तरह के पकवान बनाए जाते हैं। कई जगहों पर



सूरन (जिमीकंद या ओल) की सब्जी बनाने की भी परंपरा है। इसके पीछे कई धार्मिक मान्यताएं हैं। दरअसल सूरन को जमीन से निकालने के बाद अगर इसका थोड़ा हिस्सा भी मिट्टी में रह जाए तो यह दोबारा उग जाता है। इसी वजह से इसे सुख-समृद्धि और बरकत का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दिवाली पर सूरन की सब्जी बनाना और खाना शुभ होता है। इसके अलावा सूरन न्यूट्रिशन के लिहाज से भी खास है। इसमें फाइबर, पोटेशियम और कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद हैं। साल 2016 में 'साइंस डायरेक्ट' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, सूरन में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सिडेंट गुण होते हैं। हालांकि, सूरन में मौजूद कैल्शियम ऑक्सलेट के कारण कुछ लोगों को इससे मुंह और गले में खुजली या जलन हो सकती है। ऐसे में इसे बनाने और खाने में कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है। इसलिए आज सूरन के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- इसे खाने और पकाने का सही तरीका क्या है? किन लोगों को सूरन खाते हुए सावधानी बरतनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन, फाउंडर-'वनडाइटटुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- सूरन में कौन-से पोषक तत्व होते हैं? जवाब- 'यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर' (यूएसडीए) के मुताबिक, सूरन में कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, पोटेशियम और विटामिन सी समेत कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। सवाल- सूरन हमारी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है? जवाब- सूरन पोषक तत्वों से भरपूर सब्जी है। इसे संतुलित डाइट में शामिल करने के कई संभावित हेल्थ बेनिफिट्स हैं, जैसेकि- इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट शरीर को ऊर्जा देता है। वहीं फाइबर कब्ज से बचाव में मदद करता है। फाइबर के कारण पेट देर तक भरा हुआ महसूस होता है, जिससे वेट मैनेजमेंट में मदद मिलती है। इसमें मौजूद पोटेशियम ब्लड प्रेशर सामान्य बनाए रखने में मदद करता है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जो ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ने से रोकता है। इसमें विटामिन सी समेत कई एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करते हैं। सूरन के हेल्थ बेनिफिट्सः- कब्ज दूर करे, पाचन सुधारे। बोन हेल्थ की सपोर्ट करे। इम्यूनिटी को सपोर्ट करे। हार्ट हेल्थ को सपोर्ट करे। फाइबर का अच्छा सोर्स है। इंफ्लेमेशन कम करे। ब्लड शुगर मैनेज करे। गट हेल्थ के लिए फायदेमंद। वेट मैनेजमेंट में मददगार। सवाल- सूरन को किस तरह अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं? जवाब- सूरन को कई तरीकों से अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं, जैसेकि- इसे उबालकर या मसालों के साथ अच्छी तरह पकाकर सब्जी बना सकते हैं। उबले हुए सूरन के टुकड़ों को थोड़े तेल और मसालों के साथ भूनकर खा सकते हैं। उबले हुए सूरन में नीबू, धनिया और हल्के मसाले मिलाकर चाट बना सकते हैं। इसे पतले स्लाइस में काटकर, तलकर या बेक करके चिप्स बना सकते हैं। इसे आलू, मटर या अन्य सब्जियों के साथ मिलाकर पका सकते हैं। सवाल- इसे खाने और पकाने का सही तरीका क्या है? जवाब- सूरन को सही तरीके से साफ करके और अच्छी तरह पकाकर खाना चाहिए। इसमें मौजूद कैल्शियम ऑक्सलेट के कारण मुंह और गले में खुजली या जलन हो सकती है। इससे बचने के लिए कुछ सावधानियां बरतें- सूरन छीलते और काटते समय हाथों में दस्ताने पहनें, ताकि स्किन पर खुजली न हो। काटने के बाद इसे साफ पानी से धो लें। सूरन को पानी में उबालकर या अच्छी तरह पकाकर ही खाएं। सूरन पकाते हुए एक सावधानी बहुत जरूरी है। इसे पकाते हुए कोई भी खट्टी चीज जैसे इमली, नींबू या अमचूर डालना अनिवार्य है वरना यह गला काटने लगता है। शुरुआत में कम मात्रा में खाएं और देखें कि शरीर पर इसका कोई नेगेटिव असर तो नहीं होता। सूरन से जुड़ी जरूरी सावधानियां। सूरन छीलते हुए ग्लव्स पहनें। छीलकर अच्छी तरह धोएं। अच्छी तरह पकाकर ही खाएं। पकाते समय खट्टी चीजें डालें। अधपका सूरन बिल्कुल न खाएं। पहली बार कम मात्रा में खाएं। एलर्जी हो तो डॉक्टर से मिलें। सवाल- क्या डायबिटिक लोग सूरन खा सकते हैं? जवाब- हां, डायबिटिक लोग इसे संतुलित डाइट में शामिल कर सकते हैं। हालांकि, इसमें कार्बोहाइड्रेट भी होता है, इसलिए कुछ बातों का ध्यान रखें- सीमित मात्रा में ही खाएं। इसे उबालकर या कम तेल में अच्छी तरह पकाकर खाएं। एक बार में ज्यादा मात्रा में खाने से बचें। सवाल- सूरन वेट मैनेजमेंट में कैसे मददगार है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए-सूरन में मौजूद फाइबर से पेट देर तक भरा हुआ महसूस होता है। इससे बार-बार भूख लगने और जरूरत से ज्यादा खाने की संभावना कम होती है, जिससे वेट मैनेजमेंट में मदद मिलती है। ध्यान रखें, सिर्फ सूरन खाने से वजन कम नहीं होता। इसके लिए कुल कैलोरी का संतुलन और रेगुलर फिजिकल एक्टिविटी भी जरूरी है। सूरन अपने आप में वजन घटाने की रेसिपी नहीं है। ये सिर्फ वेट लॉस में मददगार है। क्योंकि इसमें फाइबर काफी होता है। फाइबर डाइजेशन को स्लो करता है और पेट को काफी समय तक भरा रखता है। सवाल- क्या ज्यादा सूरन खाने के कोई साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं? जवाब- हां, ज्यादा या अधपका सूरन खाने से कुछ परेशानियां हो सकती हैं, जैसेकि- मुंह और गले में जलन या चुभन। पेट फूलना, गैस या पेट में असहजता। कुछ लोगों में खुजली या सूजन जैसी एलर्जी। अगर खाने के बाद गले में सूजन या सांस लेने में परेशानी हो तो तुरंत मेडिकल हेल्प लें। सवाल- किन लोगों को सूरन खाते हुए सावधानी बरतनी चाहिए? जवाब- कुछ लोगों को सूरन खाते हुए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। ये लोग सूरन खाते हुए बरतें सावधानीः-जिन्हें सूरन से एलर्जी है। जिन्हें किडनी डिजीज है। प्रेग्नेंट व ब्रेस्टफीड कराने वाली महिलाएं। जिन्हें क्रॉनिक डाइजेस्टिव इश्यू है। सवाल- सूरन खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- इस दौरान सूरन की ताजगी और क्वालिटी पर ध्यान देना जरूरी है। इसके लिए इन बातों का ख्याल रखें- ऐसा सूरन चुनें, जो साइज के हिसाब से भारी और सख्त हो। सूरन पर गहरे कट, सड़न या फफूंद के निशान नहीं होने चाहिए। बहुत ज्यादा नरम, गला हुआ या अजीब स्मेल वाला सूरन न खरीदें। अगर सूरन पहले से कटा हुआ है तो देखें कि उसका अंदरूनी हिस्सा ताजा हो और उस पर असामान्य धब्बे न हों।





खरीदने के बाद इसे ठंडी, सूखी और हवादार जगह पर रखें। कच्चे सूरन को लंबे समय तक नमी वाली जगह पर न रखें। सूरन से जुड़े कुछ कॉमन सवाल-जवाबः-सवाल- सूरन खाने से मुंह में खुजली या जलन क्यों होती है? जवाब- कच्चे या अधपके सूरन में मौजूद कैल्शियम ऑक्सलेट के क्रिस्टल मुंह और गले में जलन पैदा कर सकते हैं।

सवाल- सूरन को पकाने का सही तरीका क्या है? जवाब- इसे अच्छी तरह उबालकर और कोई खट्टी चीज डालकर ही पकाएं। सवाल- क्या सूरन खाने से बवासीर में फायदा होता है? जवाब- इसमें फाइबर होता है, जो कब्ज से बचाव में मदद करता है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि सूरन खाने से पाइल्स का इलाज होताः-सवाल- क्या सूरन रोज खा सकते हैं? जवाब- हां, अगर यह आपको सूट करता है तो संतुलित मात्रा में नियमित रूप से खा सकते हैं। सवाल- सूरन खाने का सही समय क्या है? जवाब- सूरन के केस में खाने समय ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है। इसे दोपहर या रात के भोजन में खा सकते हैं।

सवाल- क्या सूरन खाने से किडनी स्टोन का खतरा बढ़ता है? जवाब- इसका कोई पर्याप्त साइंटिफिक सबूत नहीं है। लेकिन जिन लोगों को पहले से किडनी स्टोन है, उन्हें डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए। सवाल- क्या सूरन खाने से गैस, पेट फूलने या कब्ज की समस्या हो सकती है? जवाब- हां, ज्यादा सूरन खाने से कुछ लोगों को गैस या पेट फूलने की समस्या हो सकती है। चूंकि इसमें फाइबर होता है, इसलिए सूरन खाने के बाद दिन भर पर्याप्त मात्रा में पानी जरूर पिएं।

2027 वर्ल्ड कप के लिए ईशान किशन क्यों जरूरी? ओपनिंग से विकेटकीपिंग तक संभाल सकते हैं 3 जिम्मेदारियां- न्यूजीलैंड में उपकप्तानी करेंग

स्पोर्ट डेस्क। भारतीय टीम 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना चाहती है, जो जरूरत के मुताबिक अलग-अलग भूमिकाएं निभा सकें। ईशान किशन इस योजना में अहम हो सकते हैं। न्यूजीलैंड दौरे के आखिरी दो वनडे के लिए उन्हें उपकप्तान बनाया गया है। इन मैचों में टेस्ट सीरीज के लिए चुने गए खिलाड़ी नहीं खेलेंगे। इनमें टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल भी शामिल हैं। ईशान को उपकप्तानी देना इसलिए अहम है, क्योंकि इससे संकेत मिलता है कि चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट उन्हें भविष्य की टीम में बड़ी जिम्मेदारी के लिए देख रहे हैं। ईशान एक साथ तीन भूमिकाएं निभा सकते हैंः-ईशान की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह टीम की जरूरत के हिसाब से बल्लेबाजी क्रम बदल सकते हैं। साथ ही विकेटकीपिंग भी कर सकते हैं। इससे 15 खिलाड़ियों की सीमित वर्ल्ड कप टीम में उन्हें शामिल करने का फायदा बढ़ जाता है। ओपनरः पारी की शुरुआत कर सकते हैं और तेज रन बनाने की क्षमता रखते हैं। मिडिल ऑर्डर बल्लेबाजः टॉप-6 में जरूरत के मुताबिक किसी भी नंबर पर खेल सकते हैं। विकेटकीपरः बल्लेबाजी के साथ विकेट के पीछे भी जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। दोहरा शतक लगाने के बाद भी 2023 वर्ल्ड कप नहीं खेल पाएः-ईशान ने दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 126 गेंदों पर 200 रन बनाए थे। उस समय यह वनडे क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक था। इसके बावजूद वह 2023 वर्ल्ड कप की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना सके। इसकी वजह रोहित शर्मा और शुभमन गिल की ओपनिंग जोड़ी थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद ईशान ने टी-20 में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वह ओपनिंग के साथ तीसरे नंबर पर भी बल्लेबाजी कर चुके हैं। वनडे में भी उन्होंने मिडिल ऑर्डर में अपनी उपयोगिता साबित की है। अफगानिस्तान के खिलाफ नंबर-4 पर बल्लेबाजी करते हुए 79 गेंदों पर 125 रन बनाए थे। यह इस फॉर्मेट में मिडिल ऑर्डर पर उनका पहला शतक था। ओपनिंग में ज्यादा सफल रहे हैं ईशानः-वनडे में ओपनर के तौर पर ईशान ने 9 पारियों में 61.87 की औसत से रन बनाए हैं। वहीं, दूसरे बल्लेबाजी क्रमों पर उनका औसत 34 रहा है और स्ट्राइक रेट 97.45 है। न्यूजीलैंड दौरे पर खुद को साबित करने का मौकाः- ईशान रविवार और सोमवार को ऑकलैंड के ईडन पार्क में हुई भारतीय वनडे टीम की प्रैक्टिस में शामिल नहीं थे। उस समय वह हैमिल्टन में पांचवां टी-20 इंटरनेशनल खेल रहे थे। इस मुकाबले में उन्होंने 32 गेंदों पर 61 रन की तेज पारी खेली।न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे और पांचवें वनडे में उनका खेलना लगभग तय माना जा रहा है। इसकी वजह यह है कि शुभमन गिल और केएल राहुल टेस्ट सीरीज के लिए टीम से जुड़ने रवाना होंगे। रोहित की वापसी से जायसवाल के लिए रास्ता मुश्किलः-रोहित शर्मा ने पिछले चार वनडे मैचों में दो शतक और एक 92 रन की पारी खेलकर अपनी जगह मजबूत की है। इससे पहले उनकी टीम में जगह को लेकर सवाल थे और यशस्वी जायसवाल को ओपनिंग का विकल्प माना जा रहा था। जायसवाल ने जून में चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 110 रन बनाए थे। वह वनडे की शुरुआती 6 पारियों में दो शतक लगाने वाले भारत के इकलौते बल्लेबाज हैं। इसके बावजूद उस मुकाबले के बाद उन्हें न तो वनडे खेलने का मौका मिला और न ही टीम में जगह। वर्ल्ड कप के लिए टीम चुनते समय सिर्फ एक विशेषज्ञ रिजर्व ओपनर रखना चयनकर्ताओं के लिए मुश्किल हो सकता है। इसकी वजह यह है कि जायसवाल मुख्य रूप से ओपनिंग करते हैं। उन्होंने 41 लिस्ट-ए मैचों में सिर्फ तीन बार टॉप-2 से नीचे बल्लेबाजी की है। साथ ही वह गेंदबाजी या विकेटकीपिंग का विकल्प भी नहीं देते।





पंत को फिटनेस साबित करने का एक मौका और, न्यूजीलैंड जाने से पहले होगा दूसरा टेस्ट-पहले फिटनेस टेस्ट में पास नहीं हुए

स्पोर्ट डेस्क। ऋषभ पंत को न्यूजीलैंड दौरे पर जाने से पहले अपनी फिटनेस साबित करने का एक और मौका मिलेगा। रविवार को बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में हुए पहले फिटनेस टेस्ट में वह पास नहीं हो सके। अब मेडिकल स्टाफ अगले दो दिनों में उनका दोबारा टेस्ट कराने की तैयारी में है। पंत को अक्टूबर की शुरुआत में ईरानी कप के दौरान साइड स्ट्रेन की चोट लगी थी। साइड स्ट्रेन में शरीर के पेट और पसलियों के आसपास की मांसपेशियों में खिंचाव आ जाता है। 23 अक्टूबर से उन्होंने बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग का अभ्यास शुरू किया है। अगर पंत दूसरे टेस्ट में फिट घोषित होते हैं, तो वह न्यूजीलैंड के लिंकन में 7 नवंबर से शुरू होने वाले भारत-ए और न्यूजीलैंड-ए के तीसरे चार दिवसीय मुकाबले से जुड़ सकते हैं। इसके बाद वह 19 नवंबर से शुरू होने वाले भारत के पहले टेस्ट के लिए भी उपलब्ध रहेंगे। ध्रुव जुरेल संभाल रहे हैं विकेटकीपिंग की जिम्मेदारीः-पंत के शुरुआती दो मैचों से बाहर होने के बाद चयनकर्ताओं ने अनकैप्ड विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को भारत-ए टीम में शामिल किया था। अनकैप्ड खिलाड़ी का मतलब है ऐसा क्रिकेटर जिसने अभी तक इंटरनेशनल मैच नहीं खेला हो। हालांकि, शुरुआती दोनों मुकाबलों में कुशाग्र को खेलने का मौका नहीं मिला। टीम की कप्तानी कर रहे ध्रुव जुरेल ने ही विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुख्य टेस्ट टीम में भी जुरेल मौजूद हैं। इसलिए पंत के फिट नहीं होने पर भारत के पास विकेटकीपिंग का विकल्प रहेगा। बुमराह भी न्यूजीलैंड पहुंचेः-तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह रविवार को न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो गए। उनके भारत-ए के तीसरे चार दिवसीय मुकाबले में खेलने की उम्मीद है।बुमराह ने अक्टूबर की शुरुआत में एशियन गेम्स के फाइनल के बाद से कोई मैच नहीं खेला है।न्यूजीलैंड जाने से पहले वह बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेलने के लिए तैयार होने की प्रक्रिया से गुजरे। इससे पहले अहमदाबाद में भी वह अभ्यास कर रहे थे।

न्यूजीलैंड-ए 424 पर ऑलआउट,भारत के खिलाफ 74 रन की बढ़त मिली

स्पोर्ट डेस्क। इंडिया-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड-ए पहली पारी में 424 रन पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड-ए ने इंडिया-ए पर 74 रन की बढ़त हासिल की। मैथ्यू बॉयल ने शतक लगाया, जबकि डीन फॉक्सक्राफ्ट शतक से 7 रन दूर रह गए। भारत के लिए मुकेश कुमार ने 5 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज ने 4 विकेट झटके। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने दूसरी पारी में बिना किसी विकेट के 32 रन बना लिए हैं। बॉयल और फॉक्सक्राफ्ट के बीच 208 रन की साझेदारी- मैथ्यू बॉयल ने 152 गेंद पर 110 रन बनाए। डीन फॉक्सक्राफ्ट ने 226 गेंद पर 93 रन की पारी खेली।दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 208 रन की साझेदारी हुई। इसके अलावा क्रिस्टियन क्लार्क ने 41 और विकेटकीपर मिचेल हे ने 31 रन बनाए। ब्रेट रेंडल 5 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड ए के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रीस मारियू, कर्टिस हीफी और टिम रॉबिन्सन दूसरे दिन ही आउट हो गए थे। रीस मारियू और कर्टिस हीफी ने 4-4 रन बनाए। टिम रॉबिन्सन ने 3 रन बनाए। आखिरी तीन विकेटों ने जोड़े 133 रन-न्यूजीलैंड ए का सातवां विकेट 291 रन के स्कोर पर गिरा था। इसके बाद टीम 424 रन तक पहुंची। आखिरी तीन विकेटों ने 133 रन जोड़े। फ्रेजर शीट ने 51 गेंद पर 40 रन बनाए। जायडन लेनॉक्स ने 97 गेंद पर नाबाद 32 रन बनाए। जैरोड मैके ने 75 गेंद पर 33 रन की पारी खेली। सुंदर को एक विकेट मिला-इंडिया-ए की ओर से मोहम्मद सिराज ने 35 ओवर में 118 रन देकर 4 विकेट लिए।

गिल ने ईडन पार्क में तीन घंटे प्रैक्टिस की,रोहित और ऋतुराज ने नेट्स नहीं किए,कोहली जिम गए

स्पोर्ट डेस्क। भारत के कप्तान शुभमन गिल ने सोमवार को ऑकलैंड के ईडन पार्क में पर हुआ। विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल ने सबसे पहले दयानंद गरानी और नुवान



करीब तीन घंटे अभ्यास किया। उन्होंने बल्लेबाजी, फील्डिंग और कैचिंग पर काम किया। वहीं, विराट कोहली ने मैदान पर जिम सेशन किया, लेकिन बल्लेबाजी और फील्डिंग अभ्यास में हिस्सा नहीं लिया। रोहित शर्मा और ऋतुराज गायकवाड भी नेट्स पर नहीं आए। भारतीय टीम मंगलवार को एक साथ अभ्यास करेगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 मैचों की वनडे सीरीज 4 नवंबर से शुरू होगी। गिल ने रविवार को नहीं किया था अभ्यासः-गिल ने रविवार को अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया था। ऐसे में सोमवार सुबह उन्होंने अपना वर्कलोड पूरा करने के लिए लंबा नेट सेशन किया। उन्होंने शुरुआत हल्के थ्रोडाउन से की। इसके बाद स्पिन गेंदबाजी कोच सैराज बहुतुले के साथ काफी देर तक फील्डिंग का अभ्यास किया। तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार और आकिब नबी को सोमवार के अभ्यास से आराम दिया गया। तीनों ने एक दिन पहले लंबे स्पेल किए थे। गिल और केएल राहुल को बल्लेबाजी अभ्यास कराने के लिए स्थानीय स्पिनरों और तेज गेंदबाजों ने गेंदबाजी की। राहुल ने विकेटकीपिंग से शुरू किया अभ्यासः-अभ्यास का ज्यादातर हिस्सा सेंटर विकेट सेनिविरत्ने के करीब 15 मिनट तक थ्रोडाउन पकड़े। इसके बाद उन्होंने पैड पहनकर गिल के साथ बल्लेबाजी का अभ्यास किया। फैंस ने गिल और राहुल से मांगे ऑटोग्राफः-अभ्यास के दौरान स्क्वायर बाउंड्री के पास सड़क पर कुछ दर्शक जमा थे। वे लगातार गिल को आवाज लगाकर ऑटोग्राफ मांग रहे थे। एक फैन ने खुद को पंजाब के मोगा का बताते हुए गिल से ऑटोग्राफ देने की अपील की। दर्शकों ने केएल राहुल के नाम के नारे भी लगाए। कैचिंग ड्रिल के साथ गिल ने अभ्यास खत्म कियाः-गिल ने दिन का सबसे लंबा बल्लेबाजी अभ्यास सत्र पूरा करने के बाद कैचिंग ड्रिल की। उन्होंने पहले स्लिप में कैच पकड़ने का अभ्यास किया। इसके बाद बाउंड्री रोप के पास अलग-अलग पोजिशन से कैच पकड़े। हैमिल्टन से ऑकलैंड पहुंचेंगे बाकी खिलाड़ीः-गिल और अभ्यास करने वाले खिलाड़ी होटल लौटे, तब भारतीय वनडे टीम के बाकी सदस्य हैमिल्टन से ऑकलैंड पहुंचने वाले थे।

हैमिल्टन में भारत ने पांचवां टी-20 मैच खेला था।भारतीय टीम मंगलवार दोपहर एक साथ अभ्यास करेगी, जबकि न्यूजीलैंड की टीम सुबह के सत्र में ट्रेनिंग करेगी।की टीम सुबह के सेशन में ट्रेनिंग करेगी।

कामयाब होना है तो अपनी 'कॉपी' को फिर से चेक करें

स्कूल के दिनों में हर तिमाही और अर्धवार्षिक परीक्षा के बाद हमारे शिक्षक छुट्टियों के लिए हमें एक अनोखी टास्क सौंपते थे। हमें परीक्षा के प्रश्नपत्र को



दोबारा देखना होता था, उसके सभी प्रश्नों के उत्तर फिर से लिखने होते थे और स्कूल खुलने पर हमारी आंसर-शीट्स को सबमिट करना होता था। उस समय मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं था। परीक्षाएं खत्म हो चुकी होती थीं और मैं उनसे आगे बढ़ना चाहता था। लेकिन इस टास्क को और भी तकलीफदेह बनाने वाली बात यह थी कि प्रश्नपत्र दोबारा हल करते समय अकसर परीक्षा में की गई गलतियां मेरे सामने आ जाती थीं। कोई छूट गया महत्वपूर्ण बिंदु या किसी प्रश्न का भूला हुआ उत्तर अचानक याद आ जाता था। लापरवाही से हो गई कोई चूक साफ दिखाई देने लगती थी। और तब मुझे लगता था कि मैंने कितने ही अंक बेवजह गंवा दिए थे। विडम्बना यह थी कि शिक्षक शायद ही कभी इन असाइनमेंट्स की विस्तार से जांच करते या उन पर कोई प्रतिक्रिया देते थे। वे बस उन्हें जमा कर लेते थे। फिर भी, मेरी अनिच्छा के बावजूद यह प्रैक्टिस एक महत्वपूर्ण उद्देश्य को पूरा करती थी। इससे मुझे पढ़े हुए विषयों को दोबारा समझने, अपनी गलतियां पहचानने और यह सोचने का अवसर मिलता था कि मैं परीक्षा में और बेहतर प्रदर्शन कैसे कर सकता था। उस समय तो यह मुझे अपनी गलतियों पर पछताने वाला एक तकलीफदेह अनुभव लगता था, लेकिन वास्तव में इससे मैं चुपचाप पहले से बेहतर बनता जा रहा था। कई साल बाद, जब मैंने बिजनेस डेवलपमेंट के क्षेत्र में अपने करियर की शुरुआत की, तो मुझे फिर कुछ ऐसी ही चुनौती का सामना करना पड़ा। मैं कड़ी मेहनत करता था, स्थापित प्रक्रियाओं का पालन करता था और हर काम सही ढंग से करने की कोशिश करता था। इसके बावजूद नतीजे अकसर निराशाजनक होते थे। मेरे सहकर्मी कहते कि मैं कोई महत्वपूर्ण ट्रिक चूक रहा हूं, मुझे अपना तरीका बदलने की जरूरत है। उनकी यह प्रतिक्रिया मुझे खीझ से भर देती थी, क्योंकि मेरी नजर में मैं हर काम तय मानकों के मुताबिक सही ढंग से ही कर रहा था। हममें से अधिकांश लोगों को अपनी गलतियों के बारे में सुनना पसंद नहीं होता। इससे हमारे इगो को ठेस पहुंचती है। अपनी गलतियों पर विचार करने और खुद को बेहतर बनाने के बजाय हम अकसर अपनी ऊर्जा अपने कामों का बचाव करने और अपने फैसलों को सही ठहराने में लगा देते हैं। लेकिन एक अनुभव मेरे जीवन में निर्णायक मोड़ साबित हुआ। मैं एक बड़ी टेलीकॉम कंपनी के साथ बिजनेस डील की कोशिश कर रहा था। बैठकों का माहौल सकारात्मक था, हमारा प्रस्तावित समाधान इनोवेटिव था और कीमतें भी प्रतिस्पर्धी थीं। लेकिन इसके बावजूद बात आगे नहीं बढ़ रही थी। मेरे एक मार्गदर्शक ने मेरे काम करने के तरीके का रिव्यू किया। शुरुआत में उन्हें भी लगा कि सब कुछ सही है। फिर भी, साफ था कि कहीं कोई कमी रह गई थी। कई दिनों तक इस पर विचार करने के बाद मुझे एहसास हुआ कि शायद समस्या हमारे समाधान में नहीं, बल्कि उन लोगों में थी, जिनके सामने हम उसे प्रस्तुत कर रहे थे। मुझे भरोसा था कि हम कंपनी के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। इसलिए मैंने सीधे कंपनी के सीईओ को ईमेल लिखने का फैसला किया। दो दिनों के भीतर ही उनका जवाब आ गया और उसके कुछ ही समय बाद डील साइन हो गई। इस अनुभव ने मुझे स्कूल के दिनों में दिए जाने वाले उन असाइनमेंट्स की याद दिला दी। उन असाइनमेंट्स का असली उद्देश्य प्रश्नों के उत्तर दोबारा लिखवाना नहीं, बल्कि हमें आत्मचिंतन करना सिखाना था। वे हमें अपनी कमियां पहचानने, गलतियों से सीखने और अपने काम करने के तरीके को लगातार बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करते थे। हम अकसर यह कहावत सुनते हैं कि 'असफलता हमें सफलता से अधिक सिखाती है।' यह बात सही है, लेकिन असफलता हमें तभी कुछ सिखाती है, जब हम ठहरकर उस पर विचार करते हैं। सच्चाई यह है कि सीख केवल असफलताओं में छिपी नहीं होती। वह आत्मचिंतन और अपनी गलतियों को सुधारने के लिए उठाए गए कदमों से सामने आती है। पीछे मुड़कर देखने का मतलब अतीत में उलझे रहना नहीं है।

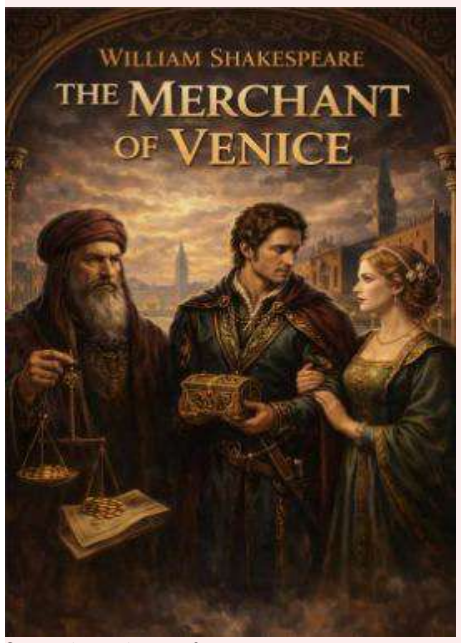
इसका उद्देश्य अतीत को इतनी अच्छी तरह समझना है कि हम अधिक स्पष्टता, विवेक और आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर बढ़ सकें। प्रश्नपत्र दोबारा हल करते समय परीक्षा में की गई गलतियां मेरे सामने आ जाती थीं। कोई छूट गया बिंदु या किसी प्रश्न का उत्तर अचानक याद आ जाता था। लापरवाही से हो गई कोई चूक साफ दिखने लगती थी। तब मुझे लगता था कि मैंने कितने ही अंक बेवजह गंवा दिए थे। (ये लेखक के अपने विचार हैं,श्रीप्रकाश श्रीधरन)

इंटरनेट मौलिक अधिकार तो बना पर उसे सुरक्षित भी बनाएं

पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेट और उसके इस्तेमाल के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और के. विनोद चंद्रन की पीठ ने यह फैसला बच्चों को इंटरनेट पर होने वाले शोषण और दुर्व्यवहार से बचाने से जुड़े एक मामले में सुनाया। कोर्ट ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए उन्हें इंटरनेट से वंचित करना आवश्यक नहीं है। इसके बजाय, इंटरनेट को उनके लिए अधिक सुरक्षित बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए।हालांकि यह फैसला बच्चों से जुड़े मामले में दिया गया है, लेकिन इसके परिणाम सभी नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण हैं। 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि इंटरनेट के जरिये अभिव्यक्ति और व्यवसाय की स्वतंत्रता को संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है। हालांकि उस समय न्यायालय ने इंटरनेट तक पहुंच को मौलिक अधिकार घोषित नहीं किया था। लेकिन अब इसे स्पष्ट रूप से मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी गई है। अब नागरिकों के पास इंटरनेट तक उनकी पहुंच सीमित करने वाले सरकारी कदमों को न्यायालय में चुनौती देने का स्पष्ट संवैधानिक आधार है। इनमें सार्वजनिक व्यवस्था के नाम पर बार-बार इंटरनेट बंद करना शामिल है। ऐसे प्रतिबंध पहले भी न्यायिक समीक्षा के अधीन थे, अब उन्हें चुनौती देने का आधार मजबूत हुआ है। लेकिन मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता देने का महत्व केवल सरकारी हस्तक्षेप को रोकने तक ही सीमित नहीं है। इससे नागरिकों को उस अधिकार का वास्तविक लाभ उठाने के लिए सरकार से अधिक सुविधाओं और आवश्यक कदमों की मांग करने का आधार भी मिलता है। साथ ही सरकारों की जिम्मेदा भी बढ़ती है, क्योंकि सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक प्रशासनिक तंत्र और वित्तीय संसाधन मुख्यतः उन्हीं के पास होते हैं। इस संदर्भ में सूचना व शिक्षा के अधिकारों के उदाहरण महत्वपूर्ण हैं।

आपकी जीवन यात्रा दूसरों को 'स्टार' बनाने में मदद करने वाली होनी चाहिए

साल 1984 में मुझे नौकरी करते हुए छह साल हो चुके थे। जब दूरदर्शन ने हर रविवार को स्टार ट्रेक का प्रसारण शुरू



किया, तो वह मेरा पसंदीदा सीरियल बन गया। मैं ऐसे गांव में पला-बढ़ा था, जहां बैलगाड़ियां रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा थीं। मैं उस दुनिया की कल्पना भी नहीं कर सकता था, जिसमें यह साइंस-फिक्शन सीरियल मुझे ले गया था। अंतरिक्ष यान, सुदूर आकाशगंगाएं, भविष्य की अत्याधुनिक तकनीक और एक ऐसा कप्तान, जो बुद्धिमत्ता और गरिमा के साथ अपने दल का नेतृत्व करता था। इस सीरियल ने मेरे सामने एक ऐसी दुनिया खोल दी थी, जिसके बारे में मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। यह मेरे लिए मनोरंजन से बढ़कर एक अकल्पनीय भविष्य की खिड़की थी। यही वजह है कि इस शुक्रवार 'स्टार ट्रेक : द नेक्स्ट जेनरेशन' में कैप्टन ज्यां-लुक पिकार्ड की भूमिका निभाने वाले पैट्रिक स्टीवर्ट के निधन की खबर मेरे लिए निजी क्षति जैसी है। लाखों लोग उन्हें प्रतिष्ठित अभिनेता के रूप में याद करेंगे, लेकिन मेरी उम्र के बहुत-से लोगों के लिए वे उस दुनिया का चेहरा थे, जिसने हमारी कल्पनाओं का विस्तार किया। उन्होंने एक पूरी पीढ़ी को सिखाया कि साहस, बुद्धिमत्ता और करुणा के साथ भी नेतृत्व किया जा सकता है। स्टीवर्ट 1940 में इंग्लैंड के एक श्रमिक बहुल कस्बे में जन्मे थे। उनकी मां कपड़ा कारखाने में काम करती थीं और पिता सेना में थे। घरेलू हिंसा के कारण उनका बचपन परेशानियों से भरा रहा। बाद में उन्होंने साहस से इन अनुभवों के बारे में खुलकर बात की। वे घरेलू हिंसा के पीड़ितों की सहायता करने वाली संस्था 'रिफ्यूज' के संरक्षक भी बने। अभिनय की दुनिया में उनकी यात्रा 12 साल की उम्र में तब शुरू हुई थी, जब उनके अंग्रेजी के शिक्षक सेसिल डॉर्मंड ने उन्हें शेक्सपीयर के 'द मर्चेंट ऑफ वेनिस' से परिचित कराया था। स्टीवर्ट इससे इतने प्रभावित हुए कि वे शेक्सपीयर के मोनोलॉग्स याद करने लगे। एक साधारण निम्न-मध्यवर्गीय परिवार से आने वाले मेरे जैसे व्यक्ति के लिए स्टीवर्ट का शुरुआती जीवन विशेष रूप से प्रेरणादायक है। हममें से बहुत-से लोग ऐसे परिवारों में बड़े होते हैं, जहां शिक्षा हासिल करना, रोजी-रोटी कमाना और माता-पिता का सहारा बनना प्राथमिकताएं होती हैं। ऐसे में सपनों को अकसर तब तक इंतजार करना पड़ता है, जब तक जिम्मेदारियां पूरी न हो जाएं। स्टीवर्ट की कहानी भी इससे अलग नहीं थी। उन्होंने 15 की उम्र में स्कूल छोड़ दिया और आजीविका के लिए अखबार में रिपोर्टर तथा फर्नीचर विक्रेता के रूप में काम किया। लेकिन उन्होंने हालात को अपने जुनून को कुचलने नहीं दिया। आखिरकार उन्हें ब्रिस्टल ओल्ड विक थिएटर स्कूल में छात्रवृत्ति मिली और इसके बाद उन्होंने अभिनय की दुनिया में एक उल्लेखनीय करियर बनाया। उनकी जिंदगी से सीखने लायक बात यह है कि जीवन की व्यावहारिक जरूरतों से जूझते हुए भी शेक्सपीयर के प्रति अपने प्रेम को कभी नहीं छोड़ा। उनके करियर का सबसे बड़ा सबक उस समय सामने आया, जब 47 की उम्र में उन्होंने कैप्टन पिकार्ड की चुनौतीपूर्ण भूमिका स्वीकारी, जबकि साइंस-फिक्शन उनकी पसंद नहीं थी। उन्होंने अपने सह-कलाकारों से सीखा। उन्होंने अपने बुनियादी सिद्धांतों को कभी नहीं छोड़ा और रंगमंच की दुनिया में भी लौटते रहे। हर सुबह वे चाय के साथ 20 से 30 मिनट कोई किताब पढ़ते थे। सफलता ने उन्हें अपनी जिज्ञासाएं शांत करने से नहीं रोका। हर सुबह इस स्तम्भ को लिखना मेरे लिए भी एक ऐसा छोटा-सा निजी अनुशासन है, जिसे मैंने उनसे सीखा है। उनकी जीवन-यात्रा हर युवा को बताती है कि आजीविका कमाने और सपने संजोने में विरोध नहीं है। अपने जुनून को कुछ समय के लिए टालना पड़ सकता है, पर उसे कभी छोड़ना नहीं चाहिए। यही वजह है कि 55 की उम्र में भी मैंने दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में जाकर सीखने का फैसला किया था। शायद किसी दिवंगत व्यक्ति को याद करने का यही सबसे बेहतर तरीका है कि हम केवल उनकी उपलब्धियां ही न गिनाएं, उनके जीवन से भी कुछ ग्रहण करें- सीखते रहें, सहकर्मियों का सम्मान करें, खुद को गढ़ें, अपनी जड़ों से जुड़े रहें और उन चीजों के लिए समय निकालें, जिन्हें हम प्यार करते हैं। फंडा यह है कि मृत्यु किसी व्यक्ति के जीवन का अंत कर सकती है, लेकिन इससे उन सिद्धांतों को अपनाने का सिलसिला समाप्त नहीं हो जाता, जिनके लिए हम उनकी सराहना करते थे। एन. रघुरामन

जो नींद से नाता बना रहे तो जीवन की गाड़ी चलती रहे

कल मैंने बहुत इंतजार किया। पर कमबख्त आई नहीं! छत की तरफ देखा, खिड़की की



तरफ देखा, कि कहीं चुपके से कमरे में घुसने की कोशिश तो नहीं कर रही? क्या वह मुझसे नाराज थी? अगर हां तो बताए मुझसे क्या भूल हुई? वो आजकल मुझसे दूर-दूर क्यों रहती है? नहीं, यह कोई रोमांटिक फिल्मी डायलॉग नहीं, मेरा कड़वा सच है। मुझे आजकल बड़ी मुश्किल से नींद आती है! अचम्भे की बात है। क्योंकि एक समय था जब नींद मेरी सच्ची सहेली थी। कॉलेज में कोई बोरिंग क्लास चल रही हो, वो मेरे पास आकर बैठ जाती। कि चल, लोड न ले, मैं हूं ना! बड़ी चंचल थी मेरी यह सहेली। सुबह फाइनल एग्जाम है, और रात को वो मेरे कान में फुसफुसाती- 'तुझे सब तो आता है, बार-बार क्यों पढ़ रही है? किताब बंद कर, और चल मेरे साथ!' तब वहीं टेक्स्ट-बुक पर माथा टेककर मैं अपनी इस सहेली का दुपट्टा पकड़कर निद्रावन की सैर पर निकल पड़ती। जैसे-जैसे उम्र बढ़ी, जिम्मेदारियां बढ़ने लगीं। घर का काम, ऑफिस का काम, इन सब में इतनी उलझ गई कि कई बार जब मेरी सहेली आती तो मैं उसे भगा देती। कहती कि जा, मैं बहुत बिजी हूं। और तो और, मैंने कुछ नई संगत भी अपना ली। बुरी संगत! कुछ लोग इसे खो जरूर सकते हो, और फिर उसे ढूंढकर लाना मुश्किल। बचपन में वो हम सबके पास थी। बस में बैठे हुए, ट्रेन में लेटे हुए, कहीं भी, कभी भी आ जाती थी। लेकिन आज तो बिजनेस क्लास में सफर करते हुए भी बहुतों को प्राप्त नहीं। दुनिया-जहान की फिक्र करने वालों को यही अभिशाप मिलता है। इसी भावना को व्यक्त करने वाली कुछ पंक्तियां चलते-चलते सुनें :कल बच्चे की फीस भरनी है, पैसे कम हैं। किसी ने कोई खो दिया, आंखें नम हैं। जब दिल पर बोझ हो नींद आती नहीं सोच-सोचकर परेशानी जाती नहीं। हां, अगर एक रात गहरी नींद मिल जाए। अगली सुबह एक नया जोश हम पाएं नींद है हर मर्ज की दवा। होने दो सारी दुनिया बेवफा। अगर नींद से नाता बना रहे जीवन की रेलगाड़ी चलती रहे मैं फिर अपनी सहेली को पुकार रही हूं। आ जा, तेरा दुपट्टा पकड़ने को तैयार हूं छोड़ दी वो झूठी दोस्ती-यारी अब तो मान जा, निंदिया प्यारी! गहरी, मीठी, मजेदार नींद। यह वो सौगात है, जिसे न खरीदा जा सकता है, न बेचा जा सकता है। लेकिन लापरवाही से आप इसे खो जरूर सकते हो। बचपन में वो हम सबके पास थी। बस हो या रेल, कहीं भी आ जाती थी। आज तो बिजनेस क्लास में भी बहुतों को प्राप्त नहीं।(ये लेखिका के अपने विचार हैं,रश्मि बंसल)

ग्रेट आइडिया के लिए खुला दिमाग चाहिए, लाखों डॉलर लैब की जरूरत नहीं

2017 में दुनिया जब सिंगल यूज प्लास्टिक की समस्या से जूझ रही थी और रेस्तरां इसके बेतुके से विकल्प तलाश रहे थे तो प्रोफेसर साजी वर्गीज क्राइस्ट



यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु के हरे-भरे कैंपस में रोज की तरह टहल रहे थे। उनकी नजर घास पर पड़े नारियल के एक सूखे पत्ते पर पड़ी। भारत में ये पत्ते हर जगह मिलते हैं और आमतौर पर एग्रीकल्चर वेस्ट समझकर जला दिए जाते हैं। एक पत्ता उठाकर उन्होंने अंगुलियों के बीच घुमाया तो कुछ अजीब महसूस हुआ। इसकी सतह चिकनी और चमकदार थी। पेड़ से टूटने के बावजूद यह न तो सड़ा और न ही नम हुआ था। उन्होंने विचार किया कि 'सूखा पत्ता पानी को क्यों रोकता है?' जिज्ञासा में वे कुछ पत्ते लैब में ले गए। उन्हें पता चला कि प्रकृति पहले ही इंजीनियरिंग कर चुकी है। पत्ते पर नेचुरल और फूड-सेफ एपिक्यूटिकुलर वैक्स की परत चढ़ी थी। जब इसे कसकर ट्यूब के जैसे रोल किया तो वैक्स की परत ने स्वाभाविक रूप से लिक्विड को दूर रखा। प्रोफेसर साजी समझ गए कि उनके हाथ में गार्डन-वेस्ट नहीं, बल्कि एक बेहतरीन बायोडिग्रेडेबल स्ट्रॉ का ब्लूप्रिंट है। उन्हें लगा कि यह कागज और प्लास्टिक से बेहतर है। इस आइडिया को हकीकत बनाने के लिए प्रोफेसर साजी ने अपने स्टूडेंट्स के साथ काम किया और अंततः 'ब्राउन रीड एग्री वेस्ट इनोवेशंस' कंपनी बनाई, जिसने 'सनबर्ड स्ट्रॉज' लॉन्च किए। उन्होंने मल्टी-लेयर्ड स्ट्रॉ बनाई, जिसने मौजूदा विकल्पों की कई खामियों को दूर किया। प्राकृतिक रूप से प्लास्टिक स्ट्रॉ को खत्म होने में 500 साल से ज्यादा लगते हैं। यह बहुत टिकाऊ होती है, लेकिन पेट्रोलियम कॉम्पोनेंट होने के कारण जहरीली भी है। वहीं, पेपर स्ट्रॉ के लिए जिंदा पेड़ काटने पड़ते हैं। सिंथेटिक ग्लू और ब्लीच के इस्तेमाल के बावजूद यह 20 मिनट में गीली हो जाती है। इसके उलट, कोकोनट ट्री स्ट्रॉ 100फीसदी गिरी हुई पत्तियों से बनती है और केमिकल-फ्री होती है। यह गर्म और ठंडे ड्रिंक में 3-4 घंटे चलती है। इस इनोवेशन की खूबसूरती इसके कच्चे माल में है। नारियल का पेड़ (कोकोस न्यूसीफेरा) भारत के ताने-बाने में रचा-बसा है। केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और गोवा के तटीय इलाकों में 2 मिलियन हेक्टेयर से ज्यादा नारियल की प्लांटेशन है। एक पेड़ हर साल 12 से 15 पत्ते गिराता है। इन पत्तों को जलाने के बजाय- जिससे पर्यावरण में कार्बन रिलीज होता है- सनबर्ड स्ट्रॉज इस एग्रीकल्चर बाय-प्रोडक्ट को कीमती उत्पाद में बदलती है। इससे स्टूडेंट्स को निम्न सीख मिलती हैं। साधारण चीजें देखिए: नारियल के पत्ते हजारों साल से गिर रहे हैं, लेकिन इन्हें प्रोडक्ट की तरह देखने के लिए पारखी नजर चाहिए थी। दुनिया में क्या नहीं है, इसकी बजाय यह देखिए कि क्या इग्नोर किया गया है। 'क्यों' और 'ऐसा हो तो' जैसे सवाल पूछिए: गीली होने वाली पेपर स्ट्रॉ जैसी रोजमर्रा की समस्या या वाटर-रेपेलेंट पत्ते जैसी प्राकृतिक घटना दिखे तो सवाल पूछिए। जिज्ञासा ही प्रॉब्लम और पेटेंट के बीच का पुल है। जो है, उसी से प्रोटोटाइप बनाएं: प्रोफेसर साजी ने शुरुआत के लिए बड़ी फंडिंग का इंतजार नहीं किया। उन्होंने कैंपस के कमरे में हाथ से पत्तों की रोलिंग शुरू की। अपने आइडियाज को साधारण तरीके से और जल्दी आजमाइए। कैंपस से कॉरपोरेट जाने के रास्ते खोजिए: प्रोजेक्ट पर काम कर रहे छात्रों ने जब देखा कि कारोबारी पेपर स्ट्रॉ से परेशान हैं, जबकि कानून ने प्लास्टिक स्ट्रॉ बैन कर दिए हैं तो वे ठीक उसी समय बेहतर प्रोडक्ट लेकर बाजार में उतरे, जब उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। इकोसिस्टम सपोर्ट का फायदा उठाइए: टीम ने अकेले यह नहीं किया। उन्होंने बिजनेस मेंटरशिप, लीगल फ्रेमवर्क और इन्वेस्टर नेटवर्क के लिए एआईआईएम बेंगलुरु के एनएसआरसीईएल इनक्यूबेटर के 'इम्पैक्ट ऑर्बिट प्रोग्राम' का सहारा लिया। एकेडमिक्स के पास आमतौर पर यह नहीं होता। आज वे 10 देशों में एक्सपोर्ट कर रहे हैं। फंडा यह है कि अपने टिकाऊ और सोशल इम्पैक्ट प्रोडक्ट को बनाने में ग्रामीण महिलाओं को सशक्त करके कोई व्यक्ति वैश्विक खरीदारों को आकर्षित कर सकता है। एन. रघुरामन

बाजार आपकी रेपुटेशन टेस्ट करे, उससे पहले अपने बिजनेस का टेस्ट कर लें

कोई बिजनेस सबसे बड़ी जो गलतियां कर सकता है, उनमें से एक यह मान लेना है कि जब वह ग्राहकों के लिए दरवाजे खोलेगा तो सब कुछ बिल्कुल सही-से काम करेगा। किसी



प्रोडक्ट या सर्विस के लिए चाहे कितनी ही प्लानिंग की गई हो, लेकिन लॉन्चिंग से पहले उसे रीयल-लाइफ टेस्ट से गुजारने का कोई विकल्प नहीं होता। पुणे की एक हालिया खबर ने मेरा ध्यान खींचा, जिसमें बताया गया था कि हैलोवीन के लिए मर्डर मिस्ट्री पार्टियां आयोजित की जा रही हैं। हैलोवीन हर साल 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिन लोग भूत, चुड़ैल, मॉन्स्टर्स और डरावने किरदारों की ड्रेस पहनते हैं। पारंपरिक रूप से यह इस धारणा में निहित है कि आत्माएं जीवित लोगों की दुनिया में लौट सकती हैं। लेकिन अब इसे कॉस्ट्यूम पार्टियों, ट्रिक-ऑर-ट्रीट और मजेदार डरावने खेलों के साथ मनाया जाता है। इसकी शुरुआत प्राचीन सेल्टिक फेस्टिवल 'सम्हेन' से हुई थी। कुछ लोग इसे सर्दियों की शुरुआत के तौर पर मनाते हैं। पुणे के डेक्कन इलाके में 'नाइन लाइव्स कैट' कैफे के मालिक अर्चित देवधर ने एआई की मदद से मर्डर मिस्ट्री गेम तैयार किया। लेकिन दो घंटे के इस अनुभव के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू करने से पहले उन्होंने लोगों के एक टेस्ट ग्रुप को बुलाया, जो पूरे खेल को आजमाए। उनके फीडबैक से अर्चित को समझने में मदद मिली कि क्या अच्छा काम कर रहा है और कहां इम्प्रूवमेंट चाहिए। उनकी चिंता सहज थी कि खेल पूरे समय लोगों को बांधे रखना चाहिए। वे नहीं चाहते थे कि पार्टिसिपेंट्स बीच खेल में बोर होने लगें। यह मैनेजमेंट का एक शानदार सबक है। कोई आइडिया कागज पर रोमांचक लग सकता है, लेकिन असल परीक्षा इसमें है कि ग्राहक उसे कैसे अनुभव करते हैं। कुछ टेस्ट-रन उन छिपी समस्याओं को उजागर कर सकता है, जो बिजनेस क्रिएटर्स को दिखाई नहीं देतीं, लेकिन ग्राहकों के आते ही मुसीबत खड़ी कर सकती हैं। इससे मुझे 1994 का एक अनुभव याद आया, जब मुंबई एयरपोर्ट के पास ऑर्किड होटल शुरू करने की तैयारी कर रहे विट्ठल कामत ने मुझे और कुछ अन्य लोगों को पांच दिन तक वहां ठहरने के लिए बुलाया। उनका मकसद सिर्फ मेरी मेहमाननवाजी नहीं था, बल्कि बदले में वे चाहते थे कि हम स्टे के दौरान आई समस्याओं पर ईमानदारी भरा फीडबैक दें। चूंकि मैं हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री ऑपरेशंस को गहराई से समझता हूं, इसलिए वे चाहते थे कि मैं स्टाफ सर्विस और उनके द्वारा तैयार सुविधाओं का अनुभव करने के बाद अपना ओपिनियन बताऊं। वे चाहते थे कि होटल को पब्लिक के लिए खोले जाने से पहले मैं इसकी हर सुविधा यूज करूं और ईमानदारी से फीडबैक दूं। जरा सोचिए, यहां एक आंत्रप्रेन्योर होटल खोलने की तैयारी कर रहा है, फिर भी भुगतान करने वाले गेस्ट्स के आने से पहले किसी को होटल की कमियां देखने दे रहा था। यही सिद्धांत लगभग हर बिजनेस पर लागू होता है। अगर आप कोई शॉपिंग एप लॉन्च कर रहे हैं तो इससे अपरिचित लोगों से कहें कि वे ऑर्डर करें और फिर देखें कि उन्हें कहां दिक्कत आ रही है। अगर आप कोई नया प्रोडक्ट पेश कर रहे हैं तो उसे दुकानों में रखने से पहले संभावित ग्राहकों को इस्तेमाल करने का मौका दें। दिलचस्प यह है कि टेस्टिंग सिर्फ गलतियां पहचानने के लिए नहीं होती। इसका मकसद ग्राहकों को खुश करने के मौके ढूंढना भी है। कोई मेहमान ब्रेकफास्ट सर्विस में मामूली बदलाव का सुझाव दे सकता है। कोई रेस्टोरेंट-विजिटर बेहतर सीटिंग अरेंजमेंट बता सकता है। या फिर, कोई गेम पार्टिसिपेंट ऐसा ट्विस्ट सुझा सकता है, जो पूरे अनुभव को और रोमांचक बना दे। सफल लॉन्च वही नहीं होता, जो समय पर हो जाए। बल्कि यह तब होता है, जब बिजनेस ने यह सुनिश्चित करने की पर्याप्त तैयारी कर ली हो कि ग्राहकों को वही मिले, जिसका उनसे वादा किया गया था। आंत्रप्रेन्योर अकसर कुछ नया बनाने में काफी समय और पैसा लगाते हैं। लेकिन कई बार वे अपने आइडिया से इतने इमोशनली-अटैच्ड हो जाते हैं कि उन्हें दिखाई नहीं देता कि क्या काम नहीं कर रहा है। खासकर, संभावित ग्राहकों को रिप्रेजेन्ट करने वाला कोई आउटसाइडर ऐसा नजरिया बता सकता है, जो बनाने वाला मिस कर गया हो। फंडा यह है कि याद रखें, रिहर्सल आपकी गलतियां सामने ला सकती हैं, लेकिन पब्लिक लॉन्च से वही गलतियां दुनिया के सामने उजागर हो सकती हैं। आपको भुगतान करने वाले ग्राहकों को कभी भी अपना पहला टेस्टर न बनने दें। एन. रघुरामन

रिपोर्ट- अमेरिका 4 नवंबर को हमला कर सकता है

ट्रम्प की नेतन्याहू से फोन पर बात,बाद में बोले- ईरान के 1-2 ठिकाने उड़ाने बाकी

वॉशिंगटन डीसी/तेल अवीव। ट्रम्प इन दिनों 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के प्रचार अभियान में जुटे हैं। इन चुनावों में अमेरिकी संसद के लिए प्रतिनिधि चुने जाएंगे। ईरान के साथ युद्ध और अमेरिका में ईंधन की बढ़ती कीमतें रिपब्लिकन पार्टी के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। ट्रम्प चुनाव के आखिरी दिनों में अपनी पार्टी के समर्थन को बढ़ाना चाहते हैं। इसी वजह से अमेरिका ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की तारीख आगे बढ़ाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान भी अमेरिकी चुनाव से पहले बातचीत को जानबूझकर लंबा खींच रहा है। रूबियो बोले- ट्रम्प बातचीत से मामला सुलझाना चाहते हैंः- अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को अटलांटा में जी20 की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ट्रम्प ने ईरान पर दोबारा हमला करने का अभी कोई फैसला नहीं लिया है। उन्होंने कहाः- 'ट्रम्प फिलहाल बातचीत के जरिए मामला सुलझाना चाहते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर अमेरिका सैन्य कार्रवाई भी कर सकता है।' रूबियो ने ईरान पर आरोप लगाया कि वह अपनी मांगें मनवाने के लिए जहाजों पर हमले करने और पड़ोसी देशों के तेल-गैस ठिकानों को तबाह करने की धमकी दे रहा है। ईरान बोला- बातचीत के लिए भी तैयार, जंग के लिए भीः-ईरान ने भी हमले का जवाब देने की चेतावनी दी है। तेहरान से जारी बयान के मुताबिक, ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने सैन्य कमांडरों को किसी भी नए हमले का तुरंत और जोरदार जवाब देने के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि जवाबी कार्रवाई की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होगी। यानी ईरान जरूरत पड़ने पर किसी भी इलाके में मौजूद दुश्मन के ठिकानों को निशाना बना सकता है।ईरान के सेना प्रमुख जनरल अली अब्दोल्लाही ने भी चेतावनी दी है कि उनके देश ने संभावित निशानों की सूची बढ़ा दी है। अमेरिका की ओर से एक और हमला हुआ तो ईरान बड़े स्तर पर जवाबी कार्रवाई करेगा। अमेरिका संग बातचीत में ईरान की तीन बड़ी मांगेंः-तेल बेचने की छूट बहाल होः- ईरान चाहता है कि अमेरिका उसे तेल बेचने की पहले जैसी छूट दे।

आर्थिक प्रतिबंध हटेः- ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध खत्म किए जाएं, ताकि उसकी अर्थव्यवस्था को राहत मिले। कतर में जमा 6 अरब डॉलर वापस मिलेः ईरान चाहता है कि कतर में रोकी गई उसकी करीब 6 अरब डॉलर की रकम उसे वापस दी जाए।



ट्रम्प का 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' पर मानहानि केस हुआ खारिज,दलीलें बेबुनियाद- जज

रिपोर्ट में ट्रम्प और एपस्टीन के बीच संबंध होने का दावा किया गया था

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका की एक अदालत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' अखबार और उसके मालिक रूपर्ट मर्डोक पर किया गया अरबों डॉलर का मानहानि केस खारिज कर दिया है। अखबार ने एक रिपोर्ट में दावा किया था कि ट्रम्प के संबंध बदनाम अमीर कारोबारी जेफरी एपस्टीन के साथ थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2003 में एपस्टीन के 50वें जन्मदिन के एक एल्बम में एक चिट्ठी मिली थी, जिस पर ट्रम्प का नाम लिखा था।

इस चिट्ठी में एक बिना कपड़ों वाली महिला का रेखाचित्र (स्केच) बना था और अंत में जन्मदिन की बधाई थी।

ट्रम्प ने इसे झूठा बताते हुए कहा था कि उन्होंने ऐसा कोई खत नहीं लिखा, और इससे उनकी छवि को भारी नुकसान पहुंचा हैं।

लेकिन मियामी के जज डैरिन गेल्स ने केस रद्द कर दिया। जज ने कहा कि ट्रम्प यह साबित नहीं कर पाए कि अखबार ने जानबूझकर दुर्भावना से यह खबर छापी थी।

उनकी दलीलें बेबुनियाद थीं। जज बोले- ट्रम्प की दलीलें बेबुनियादीः-जज ने ये भी कहा कि ट्रम्प जबरन अखबार की जांच-पड़ताल में कमियां निकालने की कोशिश कर रहे थे। अदालत ने यह फैसला स्थायी तौर पर सुनाया है,

यानी ट्रम्प अब इस मामले को दोबारा अदालत में नहीं ले जा सकते।

करोड़पति फाइनेंसर था यौन अपराधी एपस्टीनः-जेफ्री एपस्टीन न्यूयॉर्क का करोड़पति फाइनेंसर था।

उसकी बड़े नेताओं और सेलिब्रिटीज से दोस्ती थी। उस पर 2005 में

नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा। 2008 में उसे नाबालिग से सेक्स की मांग करने का दोषी ठहराया गया।

उसे 13 महीने की जेल हुई। 2019 में जेफ्री को सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोपों में गिरफ्तार किया गया।

लेकिन मुकदमे से पहले ही उसने जेल में आत्महत्या कर ली।

उसकी पार्टनर घिसलीन मैक्सवेल को 2021 में उसकी मदद करने के आरोपों में दोषी करार दिया गया। वह 20 साल की सजा काट रही है।



इजराइल में आइजनकोट ने गठबंधन की 4 शर्तें रखीं-हरेदी समुदाय को भी सैन्य सेवा देनी होगी, बेंजामिन को हटाने के लिए विपक्ष से बातचीत

तेल अवीव।बल्कि सभी नागरिकों पर होनी चाहिए। तीसरी शर्त- आजादी के समय तय सिद्धांतों का पालन होः- आइजनकोट चाहते हैं कि नई सरकार 1948 में इजराइल की आजादी के समय तय सिद्धांतों के मुताबिक काम करे। इनमें इजराइल को यहूदी देश बनाए रखने के साथ लोकतंत्र, आजादी, न्याय और सभी नागरिकों को बराबर अधिकार देने की बात शामिल है। यह शर्त इसलिए जरूरी है क्योंकि नेतन्याहू सरकार के न्यायपालिका में बदलाव करने के फैसले पर विवाद हुआ है। विरोधियों का आरोप है कि इन बदलावों से लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हो सकती हैं। आइजनकोट ने इन विवादित कानूनों को रद्द करने की भी बात कही है। चौथी शर्त- गाजा से हमास का शासन खत्म होः- आइजनकोट चाहते हैं कि गाजा में हमास का शासन खत्म हो और उसकी सैन्य ताकत भी खत्म की जाए। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हमला किया था। इसमें कई लोग मारे गए और कई को बंधक बना लिया गया। इसके जवाब में इजराइल ने गाजा में सैन्य कार्रवाई शुरू की, जिसमें भारी तबाही हुई और बड़ी संख्या में फिलिस्तीनी मारे गए। आइजनकोट का मानना है कि इजराइल की सुरक्षा के लिए हमास को दोबारा गाजा की सत्ता में आने से रोकना जरूरी है। इजराइल में सरकार बनाने के लिए 42 दिन मिलते हैंः-इजराइल में चुनाव के बाद राष्ट्रपति सभी दलों के नेताओं से बात करते हैं। इसके बाद वे किसी एक सांसद को सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपते हैं। उस सांसद को तय समय में संसद का विश्वास हासिल करना होता है। इजराइल में सरकार बनाने के लिए चुने गए नेता को शुरुआत में 28 दिन का समय मिलता है। जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति इसे 14 दिन और बढ़ा सकते हैं। यानी सरकार बनाने के लिए कुल 42 दिन मिल सकते हैं। इस दौरान नेता को दूसरी पार्टियों से बातचीत कर समर्थन जुटाना होता है। इसके लिए पार्टियों के बीच नीतियों और मंत्रिपदों को लेकर समझौते हो सकते हैं। चुनाव नतीजे आने के बाद से ही आइजनकोट नेतन्याहू विरोधी दलों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। उनकी कोशिश ज्यादा से ज्यादा सांसदों का समर्थन जुटाकर राष्ट्रपति इसाक हर्जोग के सामने सरकार बनाने का दावा मजबूत करने की है। लिकुड पर याशार के सांसदों को तोड़ने की कोशिश का आरोपः-याशार पार्टी ने नेतन्याहू की लिकुड पार्टी पर उसके सांसदों को अपने पाले में लाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। पार्टी के मुताबिक, लिकुड के कुछ नेता उसके सांसदों को फोन कर नेतन्याहू का समर्थन करने के लिए मना रहे हैं। जारी बयान में याशार ने कहा कि चुनाव में हार के बाद लिकुड के नेता परेशान हैं और उसके सांसदों से संपर्क कर रहे हैं। अरब पार्टियों ने आइजनकोट को समर्थन दियाः-अरब पार्टियों- जॉइंट लिस्ट और राअम ने प्रधानमंत्री पद के लिए याशार पार्टी के नेता गादी आइजनकोट का समर्थन करने का फैसला किया है। जॉइंट लिस्ट और राअम के पास 19 सीटें हैं। विपक्षी ब्लॉक की 48 सीटों के साथ अरब पार्टियों के समर्थन से आइजनकोट खेमे का आंकड़ा 67 तक पहुंच जाएगा, जो सरकार बनाने के लिए जरूरी 61 सीटों से ज्यादा है। अरब दलों के इस समर्थन से 19 साल तक इजराइल की सत्ता में रहे पीएम नेतन्याहू की कुर्सी खतरे में आ गई है।



रूसी ड्रोन से बचने गैस पाइपलाइनों में छिपे यूक्रेनी सैनिक,महीनों तक अंडरग्राउंड सुरंगों में रहने को मजबूर-रूस-यूक्रेन जंग पांचवें साल में भी जारी

कीव। रूस-यूक्रेन जंग अब अपने पांचवे साल में हैं। ऐसे में रूस के लगातार ड्रोन हमलों ने यूक्रेन के सैनिकों के लिए जमीन पर खुलेआम चलना मुश्किल कर दिया है। वे पुरानी गैस पाइपलाइनों के अंदर छिपकर रह रहे हैं। करीब 4 फीट चौड़ी इन सुरंगों में सैनिकों को कई हफ्तों से लेकर दो महीने तक गुजारने पड़ते हैं। कभी रूस से यूरोप तक गैस पहुंचाने वाली ये पाइपलाइन अब यूक्रेनी सैनिकों को खाना, हथियार और दूसरी जरूरी चीजें पहुंचाने का रास्ता बन गई हैं। रूस ने पहले किया था पुरानी पाइपलाइनों का इस्तेमालः-यूक्रेन के कुपियांस्क इलाके में पुरानी गैस पाइपलाइनों का करीब 129 किलोमीटर लंबा नेटवर्क है। पिछले साल के आखिर में रूसी सैनिक इन्हीं पाइपलाइनों के जरिए कुपियांस्क में घुसने में कामयाब हुए थे। इसके बाद यूक्रेनी सेना ने भी जमीन के नीचे से जवाबी कार्रवाई की योजना बनाई। इसके बाद यूक्रेन की नेशनल गार्ड की खुफिया इकाई ने इन पाइपलाइनों के नक्शे जुटाए। साथ ही, इन्हें बनाने वाले पुराने गैस विशेषज्ञों की मदद से भूमिगत रास्तों का इस्तेमाल करने की योजना तैयार की। इसके बाद पाइपलाइनों में हवा पहुंचाने के लिए वेंटिलेशन सिस्टम लगाया गया। यह इस पूरे काम का सबसे मुश्किल हिस्सा था। दिन में पहुंचता है खाना और गोला-बारूदः-इन पाइपलाइनों के जरिए सैनिकों तक खाना और गोला-बारूद पहुंचाया जाता है। इसके लिए छोटी इलेक्ट्रिक गाड़ियों का इस्तेमाल होता है। दिन में इन गाड़ियों से जरूरी सामान अंदर भेजा जाता है, जबकि रात में खुदाई से निकली मिट्टी की बोरियां बाहर लाई जाती हैं। सैनिक सिर्फ रात में ही कुछ समय के लिए बाहर निकल पाते हैं। सैनिक संकरे रास्तों के कारण घुटनों पर रेंगते हैंः-इन पाइपलाइनों के अंदर सैनिकों को काफी मुश्किल हालात में रहना पड़ता है। रास्ते इतने संकरे हैं कि उन्हें झुककर या घुटनों के बल रेंगते हुए आगे बढ़ना पड़ता है। वहां न सूरज की रोशनी पहुंचती है और न ही ताजी हवा मिलती है। शौचालय के लिए सैनिक प्लास्टिक के बैग और बोतलों का इस्तेमाल करते हैं। पाइपलाइनों में गैस के बचे हुए अंश, धूल और हवा की कमी भी उनके लिए खतरा पैदा करती है। घायल सैनिकों को भी इन्हीं रास्तों से बाहर निकाला जाता है। मोर्चे पर मारे गए सैनिकों के शव भी इन पाइपलाइनों के जरिए बाहर लाए जाते हैं। ड्रोन और थर्मल इमेजिंग तकनीक ने खुले मैदान में सैनिकों की आवाजाही को बेहद खतरनाक बना दिया है। थर्मल इमेजिंग की मदद से ड्रोन जमीन पर मौजूद लोगों के शरीर की गर्मी पहचान सकते हैं। ऐसे में सैनिकों के लिए छिपकर आगे बढ़ना भी आसान नहीं रह गया है। इसी वजह से यूक्रेन अपनी सेना के ठिकानों, निगरानी चौकियों और सामान रखने वाले केंद्रों को आपस में जोड़ने के लिए भूमिगत सुरंगों का नेटवर्क बनाने की संभावनाएं तलाश रहा है।





दावा- नेतन्याहू आइजनकोट के साथ सरकार बनाने को तैयार,अरब पार्टियों ने याशार को समर्थन दिया

चुनाव में किसी दल को बहुमत नहीं मिला

तेल अवीव। दूसरा रास्ताः राष्ट्रीय एकता सरकार बनाना-नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट और उनके सहयोगियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता सरकार बना सकते हैं। इसमें अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक साथ आ सकती हैं। चुनौती- नेतन्याहू के कुछ सहयोगी भी इस विकल्प पर चर्चा कर चुके हैं। इससे नेतन्याहू को प्रधानमंत्री पद पर बने रहने का मौका मिल सकता है। लेकिन आइजनकोट पहले ही नेतन्याहू के नेतृत्व का विरोध कर चुके हैं। ऐसे में दोनों के बीच सहमति बनना मुश्किल हो सकता है। तीसरा रास्ताः अल्पमत सरकार बनानाः-नेतन्याहू अल्पमत सरकार बनाने का विकल्प भी चुन सकते हैं। ऐसी सरकार के पास अपने गठबंधन में 61 सांसद नहीं होते। इसके बावजूद वह संसद में दूसरे दलों के समर्थन या उनके विरोध न करने के भरोसे चल सकती है। चुनौती- ऐसी सरकार को बजट पास कराने, विश्वास मत जीतने और दूसरे जरूरी फैसलों के लिए बार-बार दूसरे दलों का समर्थन जुटाना पड़ता है। इसलिए अल्पमत सरकार बनाना ही नहीं, उसे लंबे समय तक चलाना भी मुश्किल होगा। आइजनकोट के पास सरकार बनाने के दो रास्तेः- पहला रास्ताः अरब पार्टियों के समर्थन से सरकार बनाना- आइजनकोट अरब पार्टियों जॉइंट लिस्ट और राअम के समर्थन से सरकार बना सकते हैं। विपक्षी गठबंधन की 48 और अरब पार्टियों की 19 सीटें मिलाकर उनके पास 67 सांसदों का समर्थन है। यह बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों से ज्यादा है। चुनौती- आइजनकोट और अरब पार्टियों के बीच कई नैतिक मतभेद हैं। साथ ही नेतन्याहू भी इसे देश के साथ गद्दारी बता चुके हैं। ऐसे में इस गठबंधन को लेकर राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ सकता है। दूसरा रास्ताः यहूदी दलों को गठबंधन में शामिल करनाः-आइजनकोट कट्टरपंथी यहूदी धार्मिक दलों और दूसरे छोटे राजनीतिक दलों को अपने साथ लाने की कोशिश कर सकते हैं। इससे वे अरब पार्टियों पर निर्भर हुए बिना भी बहुमत जुटाने का रास्ता तलाश सकते हैं। चुनौती- अलग-अलग विचारधारा वाले दलों को एक साथ लाना आसान नहीं होगा। खासकर सैन्य सेवा जैसे मुद्दों पर इन दलों के बीच मतभेद हो सकते हैं।इजराइल चुनाव के बाद अब तक क्या-क्या हुआः-27 अक्टूबरः चुनाव हुए, किसी को बहुमत नहींः-इजराइल में संसदीय चुनाव हुए। 77.9फीसदी मतदान हुआ। नेतन्याहू गठबंधन को 53, आइजनकोट गठबंधन को 48 और अरब पार्टियों को 19 सीटें मिलीं। बहुमत के लिए 61 सीटें जरूरी थीं। 29 अक्टूबरः चुनाव में विदेशी दखल और वोट चोरी का आरोप लगाः-लिकुड ने अरब पार्टियों पर वोट खरीदने का आरोप लगाया।

राअम पार्टी ने आरोपों से इनकार किया। शिन बेट ने विदेशी दखल की जांच शुरू की। 31 अक्टूबरः यहूदी-अरब गठबंधन के समर्थन में प्रदर्शनः- इजराइल में लोगों ने यहूदी और अरब पार्टियों को मिलाकर सरकार बनाने की मांग की। नेतन्याहू के समर्थकों ने ऐसे गठबंधन का विरोध किया। 1 नवंबरः आइजनकोट ने सरकार बनाने के लिए 4 शर्तें रखीं:- आइजनकोट ने गठबंधन के लिए चार शर्तें रखीं। जॉइंट लिस्ट ने कहा कि उनकी पार्टी नेतन्याहू को हटाने में विपक्ष की मदद करेगी और बाहर से समर्थन दे सकती है।



यूरोप में इस वर्ष 22 हजार प्रदर्शन हुए,जिनमे फ्रांस की हिंसक प्रदर्शनों में 66फीसदी हिस्सेदारी

ब्रुसेल्स।ब्रुसेल्स।फ्रांस की अर्थव्यवस्था इस साल सिर्फ 0.4फीसदी बढ़ने का अनुमान है, जबकि पिछले कुछ सालों में यह आमतौर पर 1.4फीसदी की रफ्तार से बढ़ रही थी। देश पर सरकारी कर्ज बढ़ रहा है और खर्च भी ज्यादा है। ऐसे में सरकार के लिए लोगों की मांगें पूरी करना मुश्किल हो रहा है। यूरोप में विरोध प्रदर्शन अभी थमते नहीं दिख रहे हैं। कई देशों में नए आंदोलन और हड़तालों की तैयारी चल रही है। फ्रांसः अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को देखते हुए यहां राजनीतिक माहौल और गर्म हो सकता है। नेताओं पर लोगों की मांगें पूरी करने का दबाव बढ़ेगा। जर्मनीः 2 से 6 नवंबर के बीच कई शहरों में प्रदर्शन हो सकते हैं। इसके अलावा 14 नवंबर को ट्रेड यूनियनों और 20 नवंबर को युवाओं की हड़ताल प्रस्तावित है। स्पेनः यहां 11 नवंबर को बड़ी हड़ताल की तैयारी है। ब्रिटेनः 20 नवंबर को बड़ी हड़ताल हो सकती है। यूनियनों के मुताबिक, महंगाई, रोजमर्रा के खर्च और आर्थिक तंगी इसके बड़े कारण हैं। यूरोप में संकट की बड़ी वजह महंगाईः-महंगाई और बढ़ता खर्चः यूरोप के कई देशों में लोग महंगाई, बेरोजगारी, कम वेतन, महंगे मकान और सरकारी बजट में कटौती से परेशान हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद ऊर्जा की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इसका असर आम लोगों की जेब पर पड़ा है। ईरान युद्ध का असरः जनवरी में ईंधन की महंगाई 2फीसदी थी, जो सितंबर में बढ़कर 8.3फीसदी हो गई। इस दौरान कच्चा तेल 49.5फीसदी महंगा हुआ। गैस की थोक कीमतों में भी 140फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इससे घरों और कारोबारों का खर्च बढ़ गया। बेरोजगारीः एक साल में बेरोजगार लोगों की संख्या में 33फीसदी की बढ़ोतरी हुई। वहीं, महंगाई के मुकाबले लोगों की कमाई नहीं बढ़ी।इससे परिवारों के लिए रोजमर्रा का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। मकान और किराए का खर्चः एक साल में बेरोजगार लोगों की संख्या 4.7 लाख बढ़ी। युवाओं में बेरोजगारी की दर 15.5फीसदी रही। मकान खरीदना और किराए पर रहना भी महंगा हुआ है। यूरोपीय संघ में मकानों की कीमतों में 4.7फीसदी और किराए में 3फीसदी की बढ़ोतरी हुई।



वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर बांग्लादेश में कपड़ा मजदूरों का प्रदर्शन,प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर फेंके/गाड़ी जलाइ

ढाका।सरकार ने मजदूरों से सड़कें खाली कर काम पर लौटने की अपील की है। महंगाई के कारण मजदूरों की परेशानी बढ़ीः-बांग्लादेश में कपड़ा फैक्ट्रियों के मजदूरों का न्यूनतम मासिक वेतन दिसंबर 2023 में करीब 9,600 रुपए तय किया गया था। मजदूरों का कहना है कि ओवरटाइम जोड़ने के बाद भी उन्हें करीब 14000 से 15000 हजार रुपए ही मिल पाते हैं, जो घर चलाने के लिए काफी नहीं हैं। उनके मुताबिक, कुछ साल पहले जिस मकान का किराया करीब करीब 2000 रुपए था, वह अब बढ़कर 6000 रुपए तक पहुंच गया है। खाने-पीने, इलाज और बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी बढ़ा है। इसी वजह से मजदूर न्यूनतम वेतन 30 हजार टका करने की मांग कर रहे हैं। सरकार ने वेतन बोर्ड तो बना दिया है, लेकिन अभी यह तय नहीं हुआ है कि सैलरी कितनी बढ़ेगी और नई दरें कब से लागू होंगी। बांग्लादेश में 40 लाख से ज्यादा कपड़ा मजदूरः-बांग्लादेश गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (बीजीएमईए) के मुताबिक, देश में करीब 4 हजार रजिस्टर्ड कपड़ा फैक्ट्रियां हैं। इनमें 40 लाख से ज्यादा लोग काम करते हैं। चीन के बाद बांग्लादेश दुनिया में सबसे ज्यादा कपड़े निर्यात करने वाला दूसरा देश है। बांग्लादेश के कपड़े 150 से ज्यादा देशों में बेचे जाते हैं। बीजीएमईए के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में बांग्लादेश ने करीब 3.68 लाख करोड़ रुपए के कपड़े दूसरे देशों को बेचे।



इजराइल- किसी को बहुमत नहीं, सीधे प्रधानमंत्री चुनने पर विचार,30 साल में अब तक 3 बार ऐसा हुआ

तेल अवीव। इजराइल में प्रधानमंत्री चुनने का तरीका बदलने की चर्चा शुरू हो गई है। नेतन्याहू के विरोधी दल सीधे प्रधानमंत्री चुनने की पुरानी व्यवस्था वापस लाने पर विचार कर रहे हैं। इसके तहत जनता सांसदों और पार्टियों को वोट देने के अलावा सीधे प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को भी चुन सकेगी।दरअसल, 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी गुट को बहुमत नहीं मिला। नेतन्याहू के समर्थन वाले दलों को 53 सीटें मिलीं, जबकि विपक्षी गठबंधन को 48 सीटें मिलीं। वहीं, अरब पार्टियों के खाते में 19 सीटें आईं। इजराइल की संसद में कुल 120 सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए कम से कम 61 सांसदों का समर्थन जरूरी है। विपक्ष के पास अरब पार्टियों को मिलाकर 67 सीटें हैं, लेकिन उसके कई नेता अरब पार्टियों के समर्थन से सरकार बनाने के पक्ष में नहीं हैं। ऐसे में सरकार बनाने का रास्ता मुश्किल हो गया है। इसी गतिरोध को खत्म करने के लिए विपक्ष सीधे प्रधानमंत्री चुनने की व्यवस्था पर विचार कर रहा है। प्रधानमंत्री चुनने का तरीका बदलने के लिए सरकार से जुड़े मूल कानून में संशोधन करना होगा। इसके लिए संसद के कम से कम 61 सदस्यों का समर्थन जरूरी है। हालांकि, अभी इस प्रस्ताव पर अंतिम सहमति नहीं बनी है। इसे संसद में पेश भी नहीं किया गया है। पहले भी सीधे चुना जाता था प्रधानमंत्रीः-इजराइल में यह व्यवस्था नई नहीं है। देश में 1996 और 1999 में प्रधानमंत्री और संसद के लिए अलग-अलग वोटिंग हुई थी। 2001 में भी सिर्फ प्रधानमंत्री चुनने के लिए अलग चुनाव कराया गया था। 1996 में बेंजामिन नेतन्याहू ने शिमोन पेरेज को हराकर प्रधानमंत्री पद का चुनाव जीता था। 1999 में एहुद बराक ने नेतन्याहू को हराया। वहीं, 2001 में एरियल शेरोन ने एहुद बराक को हराकर प्रधानमंत्री पद हासिल किया था। हालांकि, इस व्यवस्था से भी राजनीतिक समस्याएं पूरी तरह खत्म नहीं हुईं। बाद में 2001 में इसे समाप्त कर दिया गया और देश फिर से संसदीय व्यवस्था पर लौट आया। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक 10 नवंबर को नई संसद के 120 सांसदों के शपथ लेने की उम्मीद है। इसके बाद नई संसद काम शुरू कर सकती है। अगर विपक्ष इस प्रस्ताव को विधेयक के रूप में पेश करता है और जरूरी समर्थन जुटा लेता है, तो उस पर वोटिंग हो सकती है। इजराइल चुनाव में विदेशी दखल का सबूत नहीं मिलाः- इजराइल के चुनाव अधिकारियों और पुलिस ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उस आरोप को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने चुनाव में विदेशी दखल की बात कही थी। अधिकारियों ने यह भी साफ किया कि इस मामले की जांच का चुनाव के आखिरी नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। न ही किसी समुदाय के वोट रद्द किए जाएंगे। नेतन्याहू विरोधी दलों में सीधे पीएम चुनाव कराने पर विचारः- इजराइल में नेतन्याहू विरोधी दल सरकार बनाने का रास्ता निकालने के लिए प्रधानमंत्री का सीधा चुनाव कराने के प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं। इस व्यवस्था के तहत जनता अलग से प्रधानमंत्री चुनेगी और इससे अरब पार्टियों के समर्थन के बिना अल्पमत सरकार बनाने का रास्ता खुल सकता है।

द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हिब्रू मीडिया ने बताया कि विपक्षी गठबंधन इस प्रस्ताव को लागू करने के लिए कानून लाने पर विचार कर रहा है।

शाहरुख खान हुए 61 के, अफेयर की खबर छापने वाले को कहा- काट डालूंगा, मन्नत पर पत्थर फेंके जाने पर बेटी सुहाना रोई तो दी धमकी, किस्से उनके गुस्से के

मुंबई। बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान। पर्दे पर कभी मोहब्बत के लिए दुनिया से लड़ते दिखे, तो कभी दुश्मनों के छक्के छुड़ाते। लेकिन जब बात परिवार, आत्मसम्मान, काम और इज्जत की हो, तो शाहरुख ऑफ कैमरा भी



कई बार एक्शन कर चुके हैं। एक बार तो शाहरुख को-एक्ट्रेस से शारीरिक संबंध बनाने की बात छापने वाले पत्रकार को मारने तलवार लेकर पहुंच गए थे। वहीं एक बार यूनिट की लड़कियों को छेड़ने वालों की लाठी से पिटाई की थी। हीरोइन से अफेयर की खबर छापने वाले से कहा- काट डालूंगा, जिंदा गाड़ दूंगा-शाहरुख ने 1992 की फिल्म दीवाना से बॉलीवुड डेब्यू किया था। कुछ समय बाद उन्होंने दीपा सेन के साथ फिल्म माया मेमसाब (1993) की शूटिंग शुरू की। तभी एक मैगजीन ने कवर पेज पर शाहरुख की तस्वीर के साथ लिखा गया कि शूटिंग में हीरोइन के साथ सहज महसूस करने के लिए उन्होंने उनके साथ शारीरिक संबंध बनाए हैं। शाहरुख ने आर्टिकल पढ़ते ही सीधे मैगजीन एडिटर को कॉल मिलाया और गुस्से में कहा- 'ये क्या छापा है?' जवाब मिला- 'शाहरुख, ये मजाक है।' शाहरुख ने गालियों की बौछार कर दी और धमकी दी। उसी शाम शाहरुख, शादी में आर्मी ऑफिसर ससुर से घुड़चड़ाई में मिली तलवार लेकर मैगजीन के रिपोर्टर के घर पहुंच गए, जहां पार्टी चल रही थी। उन्होंने उस रिपोर्टर की टांगों के बीच में तलवार अड़ा दी। गाली-गलौज हुई और शाहरुख ने उसके पेरेंट्स से कहा- 'मैं इसे काट डालूंगा।' शाहरुख ने सीधे बखेड़ा खड़ा कर, जमकर मारपीट की और गालियां बरसाईं। उन्होंने धमकी दी कि दोबारा ऐसा हुआ, तो वो सबको जिंदा गाड़ देंगे। अगले दिन शाहरुख फिल्म कभी हां कभी ना की शूटिंग करने गए। सेट पर पुलिस आई, शाहरुख को लगा फैन हैं। कुछ तस्वीरें क्लिक करने के बाद पुलिस ने कहा- 'आपको स्टेशन बुलाया गया है।' शाहरुख को लगा कोई अफसर उनसे मिलना चाहता है। वो स्टाइल में पुलिस स्टेशन गए। जैसे ही वो कुर्सी पर बैठने को हुए, अफसर ने तेज आवाज में कहा- 'बैठने की जरूरत नहीं है। तुम्हारे खिलाफ शिकायत मिली है।' शाम के 6 बज चुके थे, तो बेल नहीं हो पा रही थी। पुलिस ने उन्हें एक कॉल करने की इजाजत दी। शाहरुख ने परिवार, वकील या दोस्तों की जगह सीधे शिकायत करने वाले रिपोर्टर को कॉल लगाया और कहा- 'अब तो मैं जेल आ गया हूं, निकलकर तुझे छोड़ूंगा नहीं।' शाहरुख को जेल में डाला गया, तब नाना पाटेकर ने उन्हें बेल दिलवाई थी। ये किस्सा खुद शाहरुख ने 2012 के थिंक फेस्ट में सुनाया था।किस्सा- 2-लड़कियों को छेड़ने वाले लड़कों की कर दी पिटाई:-शाहरुख खान, सलमान खान राजस्थान में फिल्म करण अर्जुन की शूटिंग कर रहे थे। एक दिन गाने की शूटिंग हुई, जिसमें कोरियोग्राफर चिन्नी प्रकाश की टीम की कई लड़कियां भी शामिल हुईं। शूटिंग के बीच गांव के कुछ लड़के आकर बदतमीजी करने लगे। पहले तो टीम ने लड़कों को समझाकर भगाने की कोशिश की, लेकिन जब वो लगातार बदतमीजी करते रहे, तो शाहरुख ने लाठी से उन लड़कों की पिटाई कर दी। सेट के लोग डर गए कि कहीं वो लड़के हंगामा न खड़ा कर दें। इस वजह से उन लड़कियों को हड़बड़ी में सेट से होटल तक सुरक्षित पहुंचाया गया था।किस्सा- 3-अंडरवर्ल्ड की धमकी मिली, तो जवाब में कहा- पठान हूं:-90 के दशक में बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड का हस्तक्षेप बढ़ने लगा। कई प्रोड्यूसर्स से प्रोटेक्शन मनी के नाम पर लाखों वसूले जाते, तो कई हीरो-हीरोइन पर कुछ प्रोड्यूसर की फिल्में करने का दबाव बनाया जा रहा था। बात न मानने वालों को जान से मारने की धमकी दी जाती। ऐसे ही प्रोड्यूसर गुलशन कुमार की हत्या कर दी गई और राजीव राय को धमकाया गया। राकेश रोशन पर भी हमला हुआ। एक दिन शाहरुख खान फिल्म दिल तो पागल है की शूटिंग कर रहे थे, तभी उनके पास अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के गुर्गे अबू सलेम का कॉल आया। उन पर एक प्रोड्यूसर की फिल्म करने का दबाव बनाया गया। शाहरुख ने पहले बड़ी विनम्रता से कहा कि वह पहले ही कई फिल्मों में बिजी हैं, ऐसे में कोई नई फिल्म नहीं कर पाएंगे। लेकिन कॉल पर उन्हें धमकियां दी जाने लगीं। कहा गया- 'मैं तुम्हारे पास एक आदमी भेज रहा हूं, तुम्हें अपनी जान की परवाह है तो फिल्म कर लेना।' शाहरुख ने जवाब दिया- 'मैं पठान हूं, गोली मारनी है तो मार दो। डरता नहीं हूं।' कुछ दिन बीत गए। शाहरुख फिल्म डुप्लीकेट की शूटिंग कर रहे थे, तभी उनके पास छोटा शकील का कॉल आया। शाहरुख ने फिर इनकार कर दिया। लेकिन इसके बाद उन्होंने अपने आसपास की सिक्योरिटी बढ़ा ली और बुलेटप्रूफ कार भी खरीदी। शाहरुख को 2013 में भी अंडरवर्ल्ड की धमकी मिल चुकी है। किस्सा-4-मन्नत पर पत्थर फेंके जाने पर बेटी सुहाना रोई, तो दे डाली धमकी:-साल 2007 में शाहरुख खान ने सैफ अली खान के साथ आईफा अवॉर्ड होस्ट किया। होस्टिंग के बीच शाहरुख ने समाजवादी पार्टी के नेता अमर सिंह का मजाक बनाते हुए कहा था कि उनकी आंखों में दरिंदगी दिखती है। तब सभी जोर-जोर से हंस पड़े, लेकिन शो टेलीकास्ट होने के बाद सपा नेता के सपोर्टर्स शाहरुख को धमकियां देने लगे। 5 मार्च 2007 को शाहरुख खान के घर मन्नत के बाहर हंगामा किया गया, पत्थर फेंके गए। शाहरुख खान, शूटिंग पर थे और पत्नी गौरी खान किसी काम से घर से बाहर गई हुई थीं, बच्चे घर में ही थे। जब भीड़ ने नारेबाजी करते हुए घर में पत्थर मारे तो शाहरुख की बेटी सुहाना बाहर हंगामा किया गया, पत्थर फेंके गए। शाहरुख खान, शूटिंग पर थे और पत्नी गौरी खान किसी काम से घर से बाहर गई हुई थीं, बच्चे घर में ही थे। जब भीड़ ने नारेबाजी करते हुए घर में पत्थर मारे तो शाहरुख की बेटी सुहाना रोई, तो दे डाली धमकी:-साल 2007 में शाहरुख खान ने सैफ अली खान के साथ आईफा अवॉर्ड होस्ट किया। होस्टिंग के बीच शाहरुख ने समाजवादी पार्टी के नेता अमर सिंह का मजाक बनाते हुए कहा था कि उनकी आंखों में दरिंदगी दिखती है। तब सभी जोर-जोर से हंस पड़े, लेकिन शो टेलीकास्ट होने के बाद सपा नेता के सपोर्टर्स शाहरुख को धमकियां देने लगे। 5 मार्च 2007 को शाहरुख खान के घर मन्नत के